Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000
9770888888

दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 121 पृष्ठ : 8 मुल्य: 5:00 रायपुर, शुक्रवार 01 मई, 2026 www.sakarbharat.com

आज अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर विशेष : हर हाथ को काम, हर श्रमिक को सम्मान: मुख्यमंत्री विष्णु देव सरकार की प्रतिबद्धता

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा श्रमिकों एवं उनके परिजनों की बेहतरी के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं के माध्यम से श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए लगातार आर्थिक मदद दी जा रही है। श्रम विभाग के तीनों मंडल-छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल, छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल एवं छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के माध्यम से योजनाओं का सफल क्रियान्वयन हो रहा है। इसी का परिणाम है कि बीते 02 साल 04 माह में श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगभग 800 करोड़ रूपए डीबीटी के माध्यम से उनके खाते में अंतरित किए जा चुके हैं। इस वर्ष अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना में श्रमिकों के 200 बच्चों को प्रदेश के उत्कृष्ट निजी स्कूलों में दाखिला दिया जाएगा।

1 मई अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर विशेष

मजदूर दिवस दुनिया भर में मनाया जाता है। 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस या श्रमिक दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य मजदूरों के अधिकारों, सामाजिक न्याय और बेहतर कामकाजी परिस्थितियों के लिए संकल्प लेना है। यह दिन श्रमिकों के योगदान को याद करने और उनके संघर्षों को सम्मानित करने के लिए भी मनाया जाता है। यह दिवस वर्ष 1886 में शिकागो के हेमार्केट स्क्वायर में मजदूरों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की याद में मनाया जाता है, जहां अनेक श्रमिकों ने 8 घंटे के कार्य दिवस की मांग की थी। सन् 1889 में द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय संगठन ने 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के रूप में घोषित किया था। इस दिन को मनाने का उद्देश्य मजदूरों के अधिकारों को सुनिश्चित करना, सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना और बेहतर कामकाजी परिस्थितियों के लिए आवाज बुलंद करना है। भारत में मजदूर दिवस मनाने की शुरुआत 1923 में चेन्नई (मद्रास) से हुई थी। भारतीय संविधान निर्माण सभा के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर ने श्रमिकों के काम का समय 12 घंटे से घटाकर 8 घंटे किया। इसके अलावा उन्होंने महिलाओं को प्रसूति अवकाश की सुविधा उपलब्ध कराई।

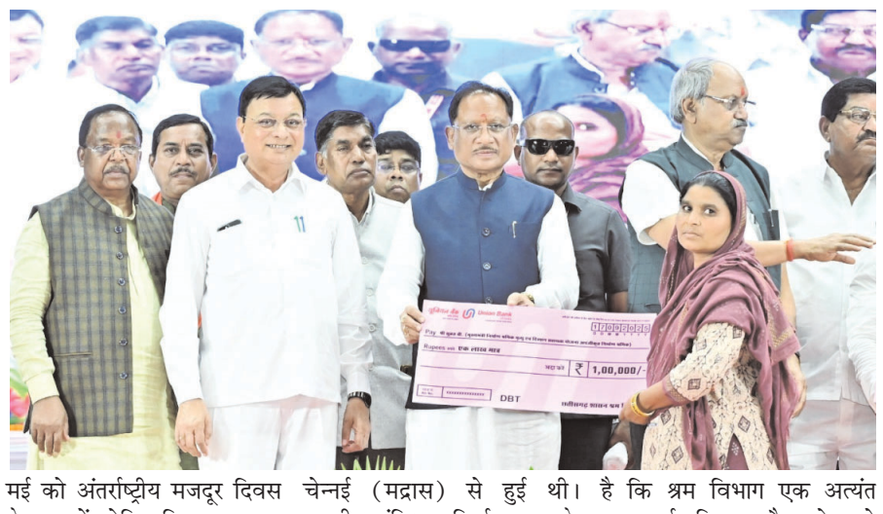

मुख्यमंत्री श्री साय का मानना है कि श्रम विभाग एक अत्यंत महत्वपूर्ण विभाग है, जो बड़े पैमाने पर श्रमिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ औद्योगिक इकाइयों का औचक निरीक्षण भी तकनीक के माध्यम से किया जाए, ताकि श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। राज्य सरकार के इन प्रयासों से छत्तीसगढ़ में श्रमिकों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा मिल रही है।

प्रदेश के श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन का कहना है कि प्रदेश में विष्णु देव सरकार के सुशासन में अब मजदूर का बच्चा मजदूर नहीं रहेगा। श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के हितों में अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। इनमें प्रमुख रूप से मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, मिनीमाता महतारी जतन योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार किट योजना, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा प्रोत्साहन योजना, निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निःशुल्क गणवेश एवं पुस्तक कॉपी हेतु सहायता राशि योजना, निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना, शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना संचालित की जा रही है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सोच है कि हर हाथ को काम इस दिशा में प्रदेश के वाणिज्य उद्योग एवं श्रम विभाग द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। श्रम विभाग के लिए चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में 256 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन का कहना है कि विष्णु देव के सरकार की सोच है कि हर हाथ को काम मिले उसका उन्हें उचित दाम मिले और हर पेट को अन्न मिले यह हमारी सरकार की आदर्श नीति है। इस नीति को क्रियान्वित करने हेतु राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों में 38 भोजन केन्द्र संचालित है। इस योजना के अंतर्गत श्रमिकों को 5 रूपये में गरम भोजन, दाल चावल, सब्जी, आचार प्रदाय किया जा रहा है, जिसका विस्तार चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में समस्त जिलों में किया जा रहा है। श्रमिक आवास की राशि प्रति आवास 01 लाख रूपए से बढ़ाकर 1.50 लाख कर दी है। इसी तरह ई-रिक्शा की राशि भी एक लाख से बढ़ाकर 1.50 लाख रूपए की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के तहत 5 सितंबर 2008 से अब तक 33 लाख 14 हजार से अधिक श्रमिक पंजीकृत किए जा चुके हैं। मंडल द्वारा 26 योजनाएं संचालित की जा रही हैं तथा 60 श्रमिक वर्ग अधिसूचित हैं। एक प्रतिशत उपकर (सेस) से वर्ष 2025-26 में 315 करोड़ रुपये प्राप्त हुए, ।

आज रायपुर में मांस-मटन की दुकानें रहेंगी बंद, बुद्ध जयंती पर नगर निगम का सख्त आदेश

रायपुर। में 1 मई को बुद्ध जयंती के मौके पर मांस-मटन की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा, नगर निगम ने सभी दुकानों और होटल-ढाबों को बंद रखने के निर्देश दिए हैं। छत्तीसगढ़ के रायपुर में 1 मई को बुद्ध जयंती के अवसर पर नगर निगम क्षेत्र में मांस-मटन की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। इस संबंध में नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए सभी मांस विक्रय दुकानों, होटल-ढाबों और संबंधित प्रतिष्ठानों को बंद रखने के आदेश दिए हैं।

प्रशासन ने कहा है कि यह निर्णय धार्मिक आस्था और सामाजिक संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि पर्व को शांतिपूर्ण और गरिमामय वातावरण में मनाया जा सके। इसके साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही या उल्लंघन पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

होटलों पर भी रहेगी निगरानी

महापौर मीनल चौबे ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि किसी होटल या प्रतिष्ठान में मांस-मटन की बिक्री करते हुए पाया गया, तो तत्काल जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही संबंधित संचालकों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी दंडात्मक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि आदेश का सख्ती से पालन कराया जा सके।

पशुवध गृह और दुकानों को बंद रखने का आदेश छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशों के तहत नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने निगम सीमा क्षेत्र में संचालित सभी पशुवध गृहों और मांस-मटन विक्रय दुकानों को बंद रखने का आदेश जारी किया है। अधिकारियों को सख्ती से आदेश का पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं।

नियमों के उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

नगर निगम ने साफ तौर पर चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

आज जमा करें संपत्ति कर, वरना होगी कुर्की और सीलबंदी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर नगर निगम ने संपत्ति कर बकायादारों को सख्त चेतावनी जारी करते हुए गुरुवार शाम तक टैक्स जमा करने का अंतिम मौका दिया है। निर्धारित समय सीमा के बाद भुगतान नहीं करने पर बकायादारों के खिलाफ कुर्की और सीलबंदी की कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही बकाया राशि पर 17 प्रतिशत अधिभार भी लगाया जाएगा।

खाली प्लॉट मालिक भी आए दायरे में इस बार निगम ने कार्रवाई का दायरा बढ़ाते हुए खाली पड़े प्लॉट मालिकों को भी इसमें शामिल किया है। निगम प्रशासन का कहना है कि शहर में बड़ी संख्या में ऐसे प्लॉट हैं, जिन पर लंबे समय से टैक्स जमा नहीं किया गया है।

वसूली का लक्ष्य और अब तक की स्थिति नगर निगम को इस वित्तीय वर्ष में 361 करोड़ रुपए संपत्ति कर वसूली का लक्ष्य मिला है।

SHORT NEWS

प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी आग, मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड

रायपुर। रायपुर के सड्डू इलाके से गुरुवार को एक बड़ी घटना सामने आई है। दरअसल, एक प्लास्टिक फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और फैक्ट्री से उठती तेज लपटों और घने धुएं ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी गई। कुछ ही देर में दमकल की गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया गया। आग बुझने के बाद होगा नुकसान का आकलन ।

राजनाथ बोले- ऑपरेशन सिंदूर अपनी मर्जी से रोका

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अपनी मर्जी और अपनी शर्तों पर रोका था। उन्होंने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो देश पाकिस्तान के खिलाफ लंबी लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार है। राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से परमाणु हमले की धमकी दी गई थी, लेकिन भारत इससे नहीं डरा।

हर दिन 80+ ट्रेनें देरी से चल रहीं, 150 घंटे तक बर्बाद हो रहा समय, भीषण गर्मी में ट्रेनों की रफ्तार सुस्त

रायपुर। में ट्रेनों की लगातार देरी यात्रियों के लिए बड़ी परेशानी बन गई है। रोजाना गुजरने वाली 120 से अधिक ट्रेनों में से करीब 80 ट्रेनें 4 से 15 घंटे तक लेट चल रही हैं, जिससे सफर प्रभावित हो रहा है।

छत्तीसगढ़ के रायपुर में ट्रेनों की लेटलतीफी यात्रियों का सिर दर्द बन गई है। अब ऐसा लगने लगा है कि ट्रेनों को लेट चलाना रेलवे का रूटीन काम हो गया है। हर दिन रायपुर से 120 से अधिक ट्रेनों का गुजरती हैं। इसमें से करीब 80 ट्रेनें आएदिन लेट चल रही हैं। इनमें दर्जनों ट्रेनें 4 घंटे से लेकर 10 तो कभी 15 घंटे तक लेट चल रही हैं।

यात्रियों की बढ़ी परेशानी

वहीं, अन्य ट्रेनें भी 20 मिनट से लकर 1 घंटे तक लेट हैं। इसके चलते यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। वहीं हर बार रेलवे के जिम्मेदार अधिकारियों का एक ही जवाब होता है कि विकास कार्य के कारण ट्रेनें लेट हो रही हैं। प्रीमियम ट्रेनों में एक्स्ट्रा वसूली, फिर भी समय पर नहीं पहुंचा पा रहे एक तरफ रेलवे प्रीमियम ट्रेनों (एक्सप्रेस) के नाम पर यात्रियों से अधिक किराया वसूल कर रहा है।

रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार प्रीमियम ट्रेनों में नॉर्मल ट्रेनों से 10 से 20 प्रतिशत अधिक चार्ज लेता है। इन ट्रेनों का भी स्टॉपेज कम स्टेशनों पर होता है, जिससे स्पीड से यह ट्रेन कम स्टॉपेज में बेहतर सुविधा के साथ यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचा सके। लेकिन एक्स्ट्रा वसूली करके भी रेलवे यात्रियों को यह सुविधा नहीं दे पा रहा है। आए दिन वंदे भारत एक्सप्रेस, राजधानी, शताब्दी, दुरंतो समय कई ट्रेनें घंटो की देरी से चल रही हैं।

राज्यपाल डेका ने महाविद्यालय की छात्राओं से हुए रूबरू सफलता के लिए दिया मार्गदर्शन

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका आज यहां लोकभवन में संत गोविंद राम शदाणी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय देवेंद्र नगर रायपुर की छात्राओं से रूबरू हुए। उन्होंने शैक्षणिक विषयों पर चर्चा कर मार्गदर्शन दिया और उनके प्रश्नों का उचित समाधान किया।

लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में आयोजित कार्यक्रम में श्री डेका ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थियों के लिए अनुशासन सबसे जरूरी है। उसके बिना सफलता नहीं मिलती है। जीवन को पूर्ण करने के लिए योजना पूर्वक कार्य करना चाहिए। अच्छी योजना से जीवन भी अच्छा होगा। लक्ष्य प्राप्ति के लिए कठिन परिश्रम भी करना होगा। मानवीय गुणों का होना भी आवश्यक है और शिक्षा से ही इन गुणों का विकास होता है। श्री डेका ने कहा कि अपनी खुशी अपने अंदर होती है। दूसरों से तुलना कर दुखी ना रहे बल्कि जो अपने पास उपलब्ध है उससे संतुष्ट रहिए।

डेका ने कहा कि हमारी संस्कृति में महिलाओं का सर्वोच्च स्थान है। उन्होंने नारी की तुलना पानी से करते हुए कहा कि पानी के बिना जीवन असंभव है, उसी तरह नारी के बिना सृष्टि की कल्पना नहीं की जा सकती। चर्चा के दौरान छात्राओं ने राज्यपाल से तनाव को सकारात्मक ऊर्जा में कैसे बदलें, सोशल मीडिया से दूरी बनाने के लिए क्या प्रयास करना चाहिए, कौशल एवं प्रशिक्षण का महत्व, देश व प्रदेश के विकास में किस तरह योगदान दे सकते हैं। विद्यार्थियों ने नारी सशक्तिकरण, उनके स्कूल एवं कॉलेज के जीवन की कोई प्रेरक घटना और छत्तीसगढ़ में उनकों सर्वाधिक क्या पसंद आया जैसे रोचक प्रश्न पूछे गए।

क्षेत्रीय विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने भी छात्राओं के प्रश्नों का समाधान कर मार्गदर्शन दिया। राज्यपाल श्री डेका ने छात्राओं को स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग टूर्नामेंट में ज्ञानेश्वरी यादव को गोल्ड मेडल

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग टूर्नामेंट आईबीएफसी यूनिवर्सल कप-2026 में ज्ञानेश्वरी यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 53 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। समोआ के एपिया स्थित तुआनाईमाटो स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 25 अप्रैल से 2 मई तक अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में 70 देशों के लगभग 500 खिलाड़ी एवं 200 अधिकारी शामिल हो रहे है। ज्ञानेश्वरी ने शानदार प्रदर्शन के साथ अपने ग्रुप में प्रथम स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। यह कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 के लिए क्वालीफिकेशन के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है।

ज्ञानेश्वरी इससे पहले जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल और सीनियर कॉमनवेल्थ में गोल्ड मेडल जीत चुकी है। गौरवशाली और प्रदेश का नाम रोशन करने वाली उपलब्धियों के लिए राज्य शासन द्वारा उन्हें गुण्डाधुर पुरस्कार प्रदान किया गया है। ज्ञानेश्वरी अभी छत्तीसगढ़ पुलिस में राजनांदगांव में कार्यरत है। अपने कोच श्री अजय लोहार विश्वकर्मा के प्रशिक्षण और मार्गदर्शन से ज्ञानेश्वरी इस मुकाम तक पहुंची है।

रामलला दर्शन के लिए दुर्ग संभाग के 850 श्रद्धालु अयोध्या रवाना

अब तक 45 हजार से अधिक श्रद्धालु ले चुके हैं इस योजना का लाभ

रायपुर। मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में संचालित 'रामलला दर्शन योजना' के अंतर्गत राजनांदगांव और दुर्ग रेलवे स्टेशन पर आज भक्ति, आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। दोनों स्टेशनों से कुल 850 तीर्थयात्री भगवान श्रीराम के दर्शन के लिए अयोध्या के लिए रवाना हुए। इस दौरान स्टेशन परिसर 'जय श्री राम' के जयघोष से गूंज उठा और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों, पर्यटन मंडल और आईआरसीटीसी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मिलकर यात्रियों का आत्मीय अभिनंदन किया। तिलक लगाकर, पुष्पवर्षा कर और पारंपरिक लोकनृत्य की प्रस्तुति के साथ यात्रियों को विदाई दी गई, जिससे यह यात्रा उनके लिए एक यादगार अनुभव बन गई। इस अवसर पर सांसद संतोष पांडे, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, श्रम कल्याण बोर्ड अध्यक्ष योगेश दत्त मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। दुर्ग स्टेशन पर महापौर अल्का बाघमारे और अन्य जनप्रतिनिधियों

ने भी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। सभी अतिथियों ने इस योजना को साय सरकार की एक महत्वपूर्ण और जनकल्याणकारी पहल बताते हुए कहा कि यह योजना प्रदेशवासियों की आस्था को सम्मान देने के साथ-साथ सांस्कृतिक एकता को भी मजबूत कर रही है। साय सरकार द्वारा शुरू की गई यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को अयोध्या में भगवान श्रीराम के दर्शन कराने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत श्रद्धालुओं को निःशुल्क यात्रा, भोजन, आवास और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। अब तक 45 हजार 900 श्रद्धालु इस योजना के माध्यम से रामलला के दर्शन कर चुके हैं और इस यात्रा के साथ यह संख्या बढ़कर 46 हजार 750 हो जाएगी। खास बात यह है कि इस यात्रा में श्रद्धालुओं को अयोध्या के साथ-साथ काशी विश्वनाथ के भी दर्शन कराए जा रहे हैं। यात्रा पर रवाना हो रहे श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। कई श्रद्धालुओं ने भावुक होकर कहा कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वे अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन कर पाएंगे, लेकिन साय सरकार की इस योजना ने उनका यह सपना साकार कर दिया। यात्रियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल का आभार व्यक्त करते हुए इसे आमजन के लिए अत्यंत लाभकारी बताया। स्टेशन परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं और उनके परिजनों की भीड़ जुटने लगी थी। ढोल-नगाड़ों की थाप, लोकनृत्य की प्रस्तुतियां और 'जय श्री राम' के गगनभेदी नारे पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर रहे थे। यात्रियों के चेहरे पर खुशी और उत्साह साफ झलक रहा था, वहीं परिजन उन्हें भावभीनी विदाई दे रहे थे। राज्य सरकार द्वारा इस यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

खनन क्षेत्रों में ड्रोन की निगरानी से खनिज संसाधन की सुरक्षा तथा राजस्व संरक्षण में मिल रही मदद

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन पर लगाम कसने के लिए तकनीक और नवाचार का सहारा लेते हुए एक बड़ी और निर्णायक पहल की है। इसी कड़ी में अब खनन क्षेत्रों में ड्रोन से निगरानी की शुरुआत कर दी गई है, जो राज्य में कानून व्यवस्था, खनिज संसाधन की सुरक्षा तथा राजस्व संरक्षण की दिशा में अहम कदम साबित हो रहा है।

राज्य सरकार की स्पष्ट मंशा है कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को जड़ से खत्म किया जाए। आधुनिक तकनीकों के उपयोग से अब खनन क्षेत्रों में रियल टाइम निगरानी संभव हो सकेगी, जिससे अवैध उत्खनन, परिवहन और संबंधित गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जा सकेगी। यह कदम न केवल राजस्व हानि को रोकेगा, बल्कि अवैध कारोबार में लिप्त तत्वों के लिए कड़ा संदेश भी साबित होगा। खनिज विभाग का मैदानी अमला पहले से ही अवैध खनन के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई कर रहा था, लेकिन अब ड्रोन तकनीक के जुड़ने से इस कार्रवाई की गति और सटीकता दोनों बढ़ेंगी। ड्रोन से लगभग 5 किलोमीटर तक की रेंज और 120 मीटर तक ऊंचाई से निगरानी की क्षमता के चलते बड़े और दुर्गम भौगोलिक क्षेत्रों पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। ड्रोन के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत पहचान कर मौके पर कार्रवाई की जा सकेगी, जिससे अवैध गतिविधियों में संलिप्तों के बच निकलने की संभावना लगभग समाप्त हो जाएगी।

खनिज विभाग के अधिकारियों के अनुसार, ड्रोन में उच्च-रिज़ॉल्यूशन कैमरा, नाइट विजन और एआई आधारित विश्लेषण प्रणाली जैसी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं, जो व्यापक और सटीक निगरानी सुनिश्चित करती हैं। इसके जरिए बड़े और दुर्गम खनन क्षेत्रों पर भी आसानी से नजर रखी जा सकती है।

यह पहल स्पष्ट संकेत देती है कि राज्य सरकार अवैध खनन के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर काम कर रही है। सरकार का यह साहसिक निर्णय न केवल कानून का सख्ती से पालन सुनिश्चित करेगा, बल्कि खनिज संसाधनों के संरक्षण और पारदर्शी राजस्व व्यवस्था को भी मजबूत करेगा। ड्रोन निगरानी की यह नई व्यवस्था राज्य में सुशासन और तकनीकी नवाचार का मजबूत उदाहरण बनकर उभर रही है। इसी कड़ी में 29 अप्रैल 2026 को जिला कांकेर के तहकापार रेत खदान क्षेत्र में ड्रोन तकनीक का उपयोग करते हुए सघन निगरानी और छापामार कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान अवैध उत्खनन और परिवहन में संलिप्त वाहनों एवं उपकरणों की पहचान की गई। ड्रोन निगरानी शुरू होते ही अवैध गतिविधियों में शामिल लोग अपने वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए।

इसके बाद केंद्रीय उड़नदस्ता दल और कलेक्टर (खनिज शाखा) के निर्देशन में कार्रवाई करते हुए महानदी के किनारे भूईगांव की सीमा पर विशेष अभियान चलाकर एक चेन माउंटेन पोकलेन मशीन जेसीबी (215 एलसी) तथा एक हाईवा जब्त किया गया।

गर्मी की छुट्टी में 'नो स्कूल-नो फीस' लागू करने की मांग तेज

दुर्ग। निजी स्कूलों की बढ़ती फीस और ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान शुल्क वसूली को लेकर विरोध तेज हो गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव अय्यूब खान ने छात्रों और अभिभावकों के प्रतिनिधिमंडल के साथ कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंपकर 'नो स्कूल-नो फीस' लागू करने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि कई निजी स्कूल हर साल मनमाने तरीके से फीस बढ़ा रहे हैं, जिससे मध्यम और गरीब वर्ग के अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। बिना किसी स्पष्ट कारण के मासिक फीस में 700 से 1000 रुपये तक की बढ़ोतरी की जा रही है, जो सालाना बड़ी राशि बन जाती है। अय्यूब खान ने यह भी कहा कि ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के दौरान, जब स्कूल बंद रहते हैं और परिवहन सुविधा भी नहीं चलती, तब भी तीन महीने की ट्यूशन और बस फीस लेना पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने सरकार से मांग की कि ऐसे स्कूलों पर सख्ती की जाए और अप्रैल, मई व जून के दौरान फीस वसूली पर रोक लगाई जाए। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी जोर दिया कि शिक्षा को व्यवसाय बनाने के बजाय सभी वर्गों के बच्चों तक सुलभ और किफायती शिक्षा पहुंचाना जरूरी है। ज्ञापन सौंपने के दौरान कई जनप्रतिनिधि और अभिभावक भी मौजूद रहे।

तकनीक आधारित 'प्रचार ऐप' से होगी आउटडोर मीडिया मॉनिटरिंग

रायपुर। सरकार की योजनाओं, कार्यक्रमों और नई पहलों के प्रचार-प्रसार में आउटडोर मीडिया एक अत्यंत प्रभावी माध्यम के रूप में स्थापित है। इसमें होर्डिंग्स, यूनिपोल्स, ब्रांडिंग, डिजिटल वॉल पेंटिंग्स और एलईडी वैन अभियान शामिल हैं। हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों, बस टर्मिनलों, बस स्टॉप्स तथा प्रमुख यातायात मार्गों जैसे उच्च आवागमन वाले स्थानों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से अधिक होता है।

आउटडोर मीडिया के क्षेत्र में प्रभावी मॉनिटरिंग एक बड़ी चुनौती रही है। कई मामलों में यह शिकायतें सामने आई हैं कि वेंडर्स द्वारा सरकारी विज्ञापनों की स्थापना में देरी की गई या निगरानी के अभाव में उन्हें समय से पहले हटाकर उनकी जगह व्यावसायिक विज्ञापन लगा दिए गए। इस समस्या के समाधान के लिए जनसंपर्क विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण सुधारात्मक पहल करते हुए प्रौद्योगिकी आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम 'प्रचार ऐप' विकसित किया गया है। यह प्रणाली तीन चरणों में कार्य करती है। पहले चरण में विभाग प्रचार अभियान की योजना बनाती है, पैनल में शामिल एजेंसियों और उनके एसेट्स का चयन कर प्रचार अभियान कार्य आवंटित करती है। दूसरे चरण में वेंडर्स प्रचार अभियान की समीक्षा कर क्रियान्वयन की योजना बनाती है और एसेट्स को माउंटर्स को सौंपती है। तीसरे चरण में माउंटर्स मैदानी स्तर पर निर्धारित स्थानों पर क्रिएटिव सामग्री स्थापित करती है। रीयल-टाइम निगरानी सुनिश्चित करने के लिए माउंटर्स हेतु एक एंड्रॉइड ऐप विकसित किया गया है। इसके माध्यम से माउंटर्स को जियो-टैग्ड और टाइम-स्टैम्प्ड फोटो तीन चरणों में अपलोड करना अनिवार्य किया गया है-स्थापना से पहले, स्थापना के तुरंत बाद, और अभियान अवधि के दौरान प्रतिदिन कम से कम एक बार। इन तस्वीरों की पहले वेंडर एजेंसी द्वारा समीक्षा की जाती है और फिर उन्हें ऑनलाइन विभाग को भेजा जाता है। यह एंड-टू-एंड प्रणाली पारदर्शिता को सुनिश्चित करती है और विभाग को सभी सक्रिय अभियानों की लगभग वास्तविक समय में जानकारी उपलब्ध कराती है।

बिहान से बदली तस्वीर : खेती, उद्यम और स्वरोजगार से महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर

सरगुजा। छत्तीसगढ़ शासन की राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' योजना ग्रामीण महिलाओं के जीवन में व्यापक बदलाव का माध्यम बन रही है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेशभर में महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि स्वरोजगार के जरिए दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित कर रही हैं। सरगुजा जिले की धनेश्वरी साहू और भगवती सिंह इसकी प्रेरक उदाहरण हैं, जिन्होंने अपने परिश्रम और योजना के सहयोग से सफलता की नई मिसाल कायम की है।

खेती से उद्यम तक: धनेश्वरी बनीं रोजगार प्रदाता

सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड के ग्राम गुमगराकला की धनेश्वरी साहू ने 'जय संतोषी मां स्वयं सहायता समूह' से जुड़कर अपने जीवन को नई दिशा दी। समूह के माध्यम से प्राप्त 1 लाख रुपये के ऋण से उन्होंने एक एकड़ भूमि पर आधुनिक तरीके से खीरे की खेती शुरू की। मेहनत और तकनीकी मार्गदर्शन के परिणामस्वरूप उन्हें अच्छी पैदावार मिल रही है, जिसे वे अंबिकापुर मंडी में बेचकर बेहतर आय अर्जित कर रही हैं।

आज धनेश्वरी न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं, बल्कि अपने खेत में 2 से 4 स्थानीय मजदूरों को रोजगार भी उपलब्ध करा रही हैं। उनका यह प्रयास उन्हें एक सफल महिला उद्यमी और रोजगार प्रदाता के रूप में स्थापित कर रहा है। ग्राम पंचायत गुमगरा खुर्द की भगवती सिंह ने 'रेखा महिला स्व-सहायता समूह' से जुड़कर आत्मनिर्भरता की राह पकड़ी। प्रारंभ में 15 हजार रुपये की सहायता से सब्जी की खेती शुरू की और बाद में 30 हजार रुपये का निवेश कर ईंट निर्माण का कार्य आरंभ किया।

'माँ का दुलार' किट से सजेगा बेटियों का बचपन

भिलाई नगर। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रिकेश सेन ने 'माँ का दुलार - माँ शिशु सुरक्षा कवच' योजना का आगाज़ किया है। इस योजना के तहत 1 मई (मजदूर दिवस एवं बुद्ध पूर्णिमा) के बाद जन्म लेने वाली हर बेटी को विधायक की ओर से एक विशेष 'गिफ्ट ट्रॉली सूटकेस' भेंट किया जाएगा, जिसमें नवजात और माँ की जरूरत का हर सामान मौजूद होगा। योजना की घोषणा करते हुए विधायक रिकेश सेन ने कहा कि मैं खुद एक गरीब परिवार में जन्मा हूँ और मैंने देखा है कि कैसे संसाधनों के अभाव में माताओं को पुराने गंदे कपड़ों का इस्तेमाल करना पड़ता था। मैं चाहता हूँ कि वैशाली नगर में जन्म लेने वाली हर बेटी को अमीरों जैसी सुख-सुविधा मिले। मैं उस बेटी का चाचा कहलाना पसंद करूँगा। विधायक द्वारा दी जाने वाली इस ट्रॉली में कुल 25 से अधिक ब्रांडेड सामग्रियां शामिल हैं, जिन्हें विशेष रूप से बाहर से मंगवाया गया है और इस पूरे कीट की कीमत लगभग 11 हजार रूपये है। शिशु के लिए : 11 पैडेड आधुनिक लंगोट (सोखने की क्षमता वाले), ब्रांडेड सॉफ्ट कंबल, स्वेटर, मोजे, कैप, तौलिया, बेबी किट (लोशन, साबुन, शैम्पू), मालिश तेल, दूध की बोतल, खिलौने और नामकरण के लिए विशेष ड्रेस।

12 हजार पौधों का संरक्षण कर रहा महिला समूह, 'वूमेन फॉर ट्री' योजना की समीक्षा

भिलाईनगर। केंद्र सरकार एवं शासन की महत्वाकांक्षी योजना 'वूमेन फॉर ट्री' के अंतर्गत नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ी पहल की गई है। इस योजना के तहत निगम क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर 12,500 पौधों का रोपण किया गया है। इन पौधों के उचित रखरखाव, सुरक्षा और संवर्धन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निगम मुख्यालय में एक विशेष समीक्षा बैठक आयोजित की गई। योजना का मुख्य उद्देश्य वृक्षारोपण को महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से संचालित करना है, ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ महिलाओं को स्वरोजगार और प्रबंधन से जोड़ा जा सके। रोपे गए 12,500 पौधों की उत्तरजीविता सुनिश्चित करने के लिए नियमित खाद, पानी और सुरक्षा घेरे की व्यवस्था पर जोर दिया गया। प्रत्येक क्षेत्र के समूहों को उनके द्वारा लगाए गए पौधों की देखरेख के लिए तकनीकी मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए गए। बैठक में निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्य योजना की बारीकियों पर चर्चा की । अजीत कुमार तिग्गा मुख्य अभियंता ने पौधों की शत-प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु मॉनिटरिंग सिस्टम को मजबूत करने के निर्देश दिए। वेशराम सिन्हा अधीक्षण अभियंता ने आधारभूत संरचना और सिंचाई की व्यवस्थाओं पर मार्गदर्शन दिया। तिलेश्वर साहू उद्यान अधिकारी ने तकनीकी पहलुओं और पौधों की किस्मों के अनुसार देखभाल के तरीके बताए।

छत्तीसगढ़ में आर्थिक और सामाजिक सशक्त हो रहीं महिला श्रमिक

रायपुर। हर वर्ष 1 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस श्रमिकों के योगदान को सम्मान देने का अवसर होता है। छत्तीसगढ़ में यह दिवस इसलिए भी खास है, क्योंकि यहां की अर्थव्यवस्था में महिला श्रमिकों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है और उनका योगदान पहले से अधिक प्रभावी होता जा रहा है। राज्य के ग्रामीण अंचलों में महिलाएं लंबे समय से कृषि कार्य, वनोपज संग्रहण, तेंदूपत्ता तोड़ने और हस्तशिल्प जैसे कार्यों में सक्रिय रही हैं, वहीं शहरी क्षेत्रों में उनकी उपस्थिति निर्माण कार्य, घरेलू सेवाओं और लघु व्यवसायों में तेजी से बढ़ी है। यह बदलाव केवल रोजगार तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं की सामाजिक पहचान और आत्मनिर्भरता को भी नई मजबूती दे रहा है। इसके बावजूद यह भी सच है कि असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिला श्रमिकों को लंबे समय तक उचित वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल और सामाजिक सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहना पड़ा। वेतन असमानता, सीमित स्वास्थ्य सुविधाएं, मातृत्व लाभों की कमी और पारंपरिक सोच जैसी बाधाएं उनके सामने बनी रहीं।

छत्तीसगढ़ में आर्थिक और सामाजिक सशक्त हो रहीं महिला श्रमिक मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए महिला श्रमिकों के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है। नई श्रमिक नीतियों के जरिए असंगठित क्षेत्र की महिलाओं के लिए न्यूनतम मजदूरी सुनिश्चित करने और कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों को लागू करने की दिशा में ठोस पहल की गई है। महिला शक्ति केंद्रों को केवल सहायता केंद्र नहीं, बल्कि परामर्श, कानूनी सहयोग और रोजगार मार्गदर्शन के प्रभावी माध्यम के रूप में विकसित किया गया है। वहीं सखी वन स्टॉप सेंटर के जरिए हिंसा से प्रभावित महिलाओं को त्वरित सहायता और पुनर्वास की सुविधा मिल रही है।

डिजिटल लेबर चौक ई-श्रम साथी एप से श्रमिकों को मिलेगा सीधा रोजगार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने श्रमिकों और नियोजकों के बीच की दूरी कम करने तथा रोजगार के अवसरों को सरल और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 'डिजिटल लेबर चौक ई-श्रम साथी' मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। यह आधुनिक प्लेटफॉर्म राज्य के पंजीकृत श्रमिकों को सीधे रोजगार से जोड़ने का कार्य करेगा। इस ऐप के माध्यम से अब नियोजक और श्रमिक सीधे एक-दूसरे से संपर्क कर सकेंगे, जिससे रोजगार प्रक्रिया अधिक सरल और तेज होगी। शासन की इस पहल से बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी और श्रमिकों को उनके कौशल और अनुभव के आधार पर त्वरित काम उपलब्ध कराया जाएगा। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि डिजिटल लेबर चौक ई-श्रम साथी एप के माध्यम से रोजगार प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी बनेगी। श्रमिक और ठेकेदार गूगल प्ले स्टोर से ऐप डाउनलोड कर आसानी से अपना पंजीयन स्वयं कर सकते हैं। इससे समय की बचत होगी और प्रक्रिया अधिक सुलभ बनेगी। इस प्लेटफॉर्म पर श्रमिकों को उनके हुनर और अनुभव के आधार पर कार्य उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उन्हें उचित अवसर मिलने के साथ-साथ आय में भी वृद्धि होगी। शासन का उद्देश्य तकनीक के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक रोजगार पहुंचाना है।

औचक निरीक्षण में अनियमितताओं पर जताई अप्रसन्नता

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के माननीय अध्यक्ष संदीप शर्मा ने आज सूरजपुर जिले के प्रवास के दौरान कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सार्वजनिक वितरण प्रणाली, पूरक पोषण आहार योजना, मध्यान्ह भोजन योजना तथा शासकीय आश्रम एवं छात्रावासों को बीपीएल दर पर प्रदाय खाद्यान्न एवं भोजन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा बैठक से पूर्व आयोग के दल ने जिले की विभिन्न उचित मूल्य दुकानों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं शासकीय आश्रमों का औचक निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया।

आयोग के दल ने भैयाथान विकासखंड की ग्राम पंचायत परसिया, ओडगी नगर एवं विकासखंड की ग्राम पंचायत खर्रा तथा सूरजपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत पतरापारा की उचित मूल्य दुकानों की सघन जांच की। निरीक्षण के दौरान ओडगी विकासखंड की 02 दुकानों तथा भैयाथान एवं सूरजपुर विकासखंड की 1-1 दुकान में पाए गए चावल की गुणवत्ता पर आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने अप्रसन्नता व्यक्त की और चावल के लिए गए सैंपल की शीघ्र जांच कराने के निर्देश दिए। ओडगी नगर की उचित मूल्य दुकान में निरीक्षण के दौरान चावल का स्टॉक लगभग 400 बोरा अधिक पाया गया। साथ ही गंभीर अनियमितता यह सामने आई कि दुकान संचालक द्वारा हितग्राहियों से 03 महीने के चावल हेतु अंगूठा लगवाकर मात्र 01 माह का ही चावल वितरित किया जा रहा था। इस पर आयोग के अध्यक्ष ने सख्त रुख अपनाते हुए दुकान संचालनकर्ता एजेंसी के विरुद्ध तत्काल कार्यवाही करने तथा संबंधित हितग्राहियों को शेष 02 माह का चावल तुरंत वितरित करने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में आयोग के अध्यक्ष ने जिले की समस्त उचित मूल्य दुकानों को प्रतिदिन समय पर खोलने, सभी आवश्यक सूचनाओं को प्रदर्शित करने, नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा प्रत्येक माह समय पर एवं निर्धारित गुणवत्ता के खाद्यान्न के भंडारण के निर्देश दिए। जिले की 28 ऑफलाइन दुकानों के नियमित निरीक्षण तथा 03 पहुंचविहीन दुकानों तक सड़क और पुल/पुलिया निर्माण कराकर इन्हें बारहमासी नियमित खाद्यान्न भंडारण के योग्य बनाने के निर्देश भी दिए गए। राज्य शासन के निर्देशानुसार 03 माह के खाद्यान्न भंडारण की समीक्षा कर शेष चावल को शीघ्र भंडारित कर वितरण हेतु उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी आग, मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड

रायपुर। रायपुर के सड्डू इलाके से एक बड़ी घटना सामने आई है। दरअसल, एक प्लास्टिक फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और फैक्ट्री से उठती तेज लपटों और घने धुएं ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी गई। कुछ ही देर में दमकल की गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया गया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, आग लगने के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। फिलहाल, राहत और बचाव कार्य जारी है।

हरी खाद- खेती में बढ़ेगा उत्पादन, मिट्टी की सेहत होगी बेहतर

रायपुर। आज के दौर में टिकाऊ खेती की ओर बढ़ना समय की मांग है। रसायनों के बोझ तले दबती मिट्टी को राहत देने के लिए हरी खाद एक बेहतरीन समाधान बनकर उभरी है। यह न केवल फसलों की पैदावार बढ़ाती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जमीन की उर्वरता को भी सुरक्षित रखती है। मिट्टी बचेगी, तो किसान बचेगा और किसान बचेगा, तो देश समृद्ध होगा। कृषि विभाग द्वारा किसानों को खेती में हरी खाद के उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और उत्पादन में सुधार लाने में मदद मिल सके। विभाग के अनुसार धान के खेतों में लगातार रासायनिक उर्वरकों के अधिक उपयोग से मिट्टी में लाभदायक सूक्ष्म जीवों की गतिविधियां कम हो रही हैं और मिट्टी की संरचना भी प्रभावित हो रही है।

हरी खाद वह सहायक फसल है जिसे मुख्य फसल बोने से पहले खेत में उगाया जाता है और फूल आने की अवस्था में ही उसे हल चलाकर मिट्टी में दबा दिया जाता है। ढैंचा, सनई, लोबिया, मूंग और उड़द जैसी फसलें

हरी खाद के लिए सबसे उपयुक्त मानी जाती हैं। हरी खाद के तहत कई फसलों का उपयोग किया जाता है जिनमें दलहनी और बिना दलहनी फसलें शामिल होती हैं। हरी खाद के लिए झाड़ियों और पेड़ों की पत्तियों, टहनियों को भी उपयोग में ला सकते हैं, लेकिन इसके लिए विशेष रूप से ढैंचा फसलों का उपयोग किया जाता है। इन फसलों को खेतों में लगाकर भूमि में सुधार किया जाता है। हरी खाद का सबसे बड़ा प्रभाव मिट्टी की भौतिक और रासायनिक संरचना पर पड़ता है। यह मिट्टी में नाइट्रोजन और कार्बनिक पदार्थों (ह्यूमस) की मात्रा को तेजी से बढ़ाती है। हरी खाद मिट्टी को भुरभुरा बनाती है, जिससे हवा का संचार बढ़ता है और पौधों की जड़ें गहराई तक जा पाती हैं। इसके उपयोग से मिट्टी की पानी सोखने की शक्ति बढ़ जाती है, जो सूखे के समय फसलों के लिए जीवन रक्षक साबित होती है।

जब मिट्टी स्वस्थ होती है, तो उत्पादन का बढ़ना निश्चित है। हरी खाद के प्रयोग से पैदावार में 15 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी जा सकती है। यूरिया और अन्य रासायनिक खादों पर निर्भरता कम हो जाती है, जिससे किसान की फसल की लागत घटती है। मित्र कीटों से फसल का संरक्षण करता है। यह जमीन के भीतर लाभकारी सूक्ष्मजीवों और केंचुओं की संख्या बढ़ाने में मदद करती है। क्षेत्र की जलवायु के अनुसार सनई या ढैंचा का चुनाव करें। बुवाई का समय मानसून की शुरुआत (जून-जुलाई) इसके लिए सबसे उपयुक्त है। जब फसल लगभग 40-50 दिन की हो जाए और उसमें फूल आने लगें, तब उसे पाटा लगाकर या रोटावेटर की मदद से मिट्टी में मिला दें। पलटने के बाद 10-15 दिनों तक खेत में नमी बनाए रखें ताकि खाद अच्छी तरह सड़कर मिट्टी का हिस्सा बन जाए। हरी खाद केवल एक उर्वरक नहीं है, बल्कि यह मिट्टी का उपचार है।

'सही दवा - शुद्ध आहार' अभियान के तहत सूरजपुर जिले में औषधि प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण

सूरजपुर। राज्य शासन एवं नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन छत्तीसगढ़ तथा कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार सूरजपुर जिले में ष्सही दवा दृ शुद्ध आहारष् अभियान चलाया जा रहा है। यह विशेष अभियान दिनांक 27 अप्रैल 2026 से 11 मई 2026 तक लगातार जारी रहेगा। अभियान का प्रमुख उद्देश्य राज्य में सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं मानकयुक्त दवाओं एवं खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा अनियमितताओं पर सख्त कार्यवाही करना है।

संयुक्त टीम ने किया मेडिकल स्टोरों का सघन निरीक्षण :

अभियान के परिपालन में सहायक संचालक (औषधि) राम ब्रिजेश प्रजापति, औषधि निरीक्षक अमरेश तिर्की एवं औषधि निरीक्षक जय प्रकाश शर्मा की संयुक्त टीम द्वारा दिनांक 29 अप्रैल 2026 को सूरजपुर जिले के कई औषधि प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मेडिकल स्टोरों में औषधियों के क्रय-विक्रय रिकॉर्ड की बारीकी से जांच की गई। औषधियों की गुणवत्ता, उनके भंडारण की स्थिति तथा निर्धारित मानकों के अनुपालन की भी पड़ताल की गई।

तीन प्रकार की औषधियां की गईं फ्रीज :

निरीक्षण के दौरान मेडिकल स्टोर में अनियमितता पाए जाने पर 3 प्रकार की औषधियों को फ्रीज किया गया। मेडिकल स्टोर संचालकों को कड़ाई से निर्देशित किया गया कि वे मेडिकल स्टोर का संचालन पूर्णतः नियमानुसार करें तथा चिकित्सक की पर्ची के आधार पर ही औषधियों का विक्रय सुनिश्चित करें। बिना चिकित्सकीय परामर्श के दवाओं के विक्रय पर सख्त कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। औषधि प्रशासन विभाग ने स्पष्ट किया है कि अभियान के तहत जिले के समस्त मेडिकल स्टोरों, थोक औषधि विक्रेताओं तथा खाद्य प्रतिष्ठानों की सघन जांच की जाएगी।

कृषि विभाग ने संतुलित उर्वरक उपयोग की सलाह

सूरजपुर। आगामी खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए कृषि विभाग द्वारा जिले के किसानों को संतुलित उर्वरकों के उपयोग के लिए जागरूक किया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले के सभी उर्वरक संग्रहण केन्द्रों एवं सेवा सहकारी समितियों में फ्लैक्स, पोस्टर तथा मैदानी अमले के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। कृषि विभाग ने बताया कि खरीफ फसलों में सामान्यतः किसान यूरिया, डीएपी एवं पोटाश का अधिक उपयोग करते हैं, लेकिन केवल एक या दो उर्वरकों पर निर्भर रहने से भूमि की उर्वरकता प्रभावित होती है। इसलिए भूमि की उत्पादक क्षमता बनाए रखने, फसल उत्पादन बढ़ाने तथा खेती की लागत कम करने के लिए संतुलित उर्वरकों का उपयोग अत्यंत आवश्यक है। विभाग द्वारा किसानों को डीएपी के वैकल्पिक उर्वरकों एवं अन्य रासायनिक खाद समूहों के समुचित उपयोग के संबंध में भी जानकारी दी जा रही है, ताकि वे अपनी फसलों की आवश्यकता के अनुसार उचित पोषण प्रबंधन कर सकें।

महतारी वंदन योजना से महिलाओं को संबल, परिवार और बच्चों का भविष्य संवर रहा

सरगुजा। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना प्रदेश की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का मजबूत आधार बनती जा रही है। यह योजना न केवल महिलाओं को आर्थिक सहारा प्रदान कर रही है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को बढ़ाते हुए परिवार के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। हर माह मिलने वाली सहायता राशि से ग्रामीण महिलाओं की दैनिक जरूरतें पूरी हो रही हैं और बच्चों की शिक्षा व भविष्य को नई दिशा मिल रही है।

सरगुजा जिले के विभिन्न ग्रामों में इस योजना का सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। ग्राम पंचायत गुमगराकलां की निवासी श्रीमती गायत्री साहू बताती हैं कि योजना से मिलने वाली राशि उनके लिए

नियमित आर्थिक सहारा बन गई है। इससे घर के छोटे-मोटे खर्च आसानी से पूरे हो जाते हैं और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में भी सहयोग मिल रहा है। वे कहती हैं कि इस सहायता ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास दिया है।

इसी तरह अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत खैरबार की श्रीमती सरिता राजवाड़े के लिए भी यह योजना बेहद लाभकारी सिद्ध हो रही है। उन्हें प्रतिमाह मिलने वाली राशि से न केवल घर की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति हो रही है, बल्कि वे बच्चों की शिक्षा में निवेश करने के साथ-साथ थोड़ी बचत भी कर पा रही हैं। उनके अनुसार, यह योजना ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक मजबूती का बड़ा माध्यम बनकर उभरी है। ग्राम गुमगराकलां की ही श्रीमती आरती पैकरा की कहानी इस योजना के प्रभाव को और भी स्पष्ट करती है। सीमित आय और खेती पर निर्भर परिवार में आर्थिक तंगी के कारण पहले बच्चों की पढ़ाई और घरेलू जरूरतों को पूरा करना कठिन था। लेकिन अब महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली राशि से उनके परिवार की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है। वे अपने तीनों बच्चों की शिक्षा पर ध्यान दे पा रही हैं और घर के आवश्यक खर्च बिना किसी कठिनाई के पूरा कर रही हैं। आरती कहती हैं कि इस योजना ने उन्हें मानसिक शांति दी है और अब वे अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निश्चिंत होकर प्रयास कर पा रही हैं। उनकी यह बदलती स्थिति न केवल उनके परिवार में खुशी लाई है, बल्कि गांव में महिलाओं के लिए प्रेरणा भी बनी है।

सामाजिक सुरक्षा पेंशनः समय पर भुगतान से बढ़ा भरोसा

रायपुर। राज्य में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएँ जरूरतमंद वर्ग के लिए सशक्त सहारा बनकर उभर रही हैं। वृद्धजनों, दिव्यांगजनों एवं निराश्रित महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित ये योजनाएँ न केवल जीवन-यापन में सहूलियत दे रही हैं, बल्कि समाज में सम्मानजनक जीवन जीने का आधार भी सुनिश्चित कर रही हैं। प्रदेश में वर्तमान में कुल 6 पेंशन योजनाएँ प्रभावी रूप से संचालित हैं, जिनमें 3 राज्य योजनाएँ एवं 3 केंद्र प्रवर्तित योजनाएँ शामिल हैं। राज्य सरकार द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सुखद सहारा एवं मुख्यमंत्री पेंशन योजना के अंतर्गत मार्च 2026 तक सभी पात्र हितग्राहियों को भुगतान सफलतापूर्वक किया जा चुका है। इससे लाखों परिवारों को समय पर आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है, जो उनके दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। केंद्र प्रवर्तित योजनाओं के अंतर्गत भी भुगतान की प्रक्रिया सुव्यवस्थित रूप से संचालित की गई है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन एवं दिव्यांग पेंशन योजनाओं में दिसंबर 2025 तक तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना में जनवरी 2026 तक भुगतान पूर्ण कर लिया गया है। यह दर्शाता है कि राज्य स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन में निरंतरता और गंभीरता बनी हुई है। पेंशन वितरण प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा नई तकनीकी प्रणाली एसएनए-स्पर्श लागू की गई है। इस आधुनिक प्रणाली के माध्यम से भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी तथा हितग्राहियों को सीधे लाभ सुनिश्चित होगा।

गश्त बढ़ाने और लंबित मामलों के जल्द निराकरण के निर्देश

रायपुर। पुलिस उपायुक्त (नार्थ जोन) मयंक गुर्जर ने 29 अप्रैल को थाना खमतराई का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर, मालखाना, अभिलेख, अपराध रजिस्टर, लंबित प्रकरणों और स्टाफ की कार्यप्रणाली का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और अभिलेखों के संधारण पर विशेष ध्यान दिया गया। पुलिस उपायुक्त ने लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण और गंभीर प्रकरणों में प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही मालखाना में रखी जब्त सामग्री के रख-रखाव और सुरक्षा मानकों की भी जांच की गई। उन्होंने वारंटियों की तामिली तेज करने, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने और सम्मन-वारंट की प्रभावी तामिली सुनिश्चित करने को कहा। कानून-व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाने और संवेदनशील स्थानों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए। महिला और बाल सुरक्षा के मामलों में संवेदनशीलता बरतने तथा साइबर अपराधों में त्वरित कार्रवाई करने पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में ग्रीन बेल्ट विकसित करने और लंबे समय से थाने में खड़े जब्त वाहनों के विधिसम्मत निराकरण के निर्देश दिए गए। इस दौरान सहायक पुलिस आयुक्त उरला पूर्णिमा लामा सहित थाना स्टाफ मौजूद रहा। पुलिस उपायुक्त ने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को टीमवर्क के साथ बेहतर कार्य करने और आमजन से संवाद मजबूत रखने के लिए प्रेरित किया।

ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करने पर कटेगा चालान

गरियाबंद। कलेक्टर बी.एस. उईके एवं पुलिस अधीक्षक नीरज चंद्राकर ने जिले में सड़क सुरक्षा एवं नशा नियंत्रण को लेकर जिला कार्यालय के सभाकक्ष में विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होने यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने, दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर उईके ने कहा कि जिले की सीमा उड़ीसा राज्य से लगी होने के कारण अवैध मादक पदार्थों की आवाजाही की आशंका बनी रहती है। इसे देखते हुए विशेष चेक पोस्ट के माध्यम से सतत निगरानी रखने तथा गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए उनके ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने के निर्देश भी दिए। बैठक में शहरों एवं नगरीय निकायों में सड़कों पर घूमने वाले मवेशियों से होने वाली दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त की गई। कलेक्टर ने ऐसे स्थानों की पहचान कर विशेष अभियान चलाने, स्थानीय जनप्रतिनिधियों के समन्वय से पशुओं को सड़कों से हटाने एवं दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए।अधिक यातायात वाले क्षेत्रों में यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं देने की व्यवस्था लागू करने पर जोर दिया गया। कलेक्टर ने नशा संबंधित अवैध गतिविधियों पर सख्ती बरतते हुए परिवहन विभाग को मादक पदार्थों के परिवहन एवं आपूर्ति पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

वनांचलों की 'संजीवनी' बनी मोबाइल मेडिकल यूनिटः साढ़े तीन माह में 2000 से अधिक ग्रामीणों का हुआ निःशुल्क उपचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दूरस्थ वनांचलों और दुर्गम पहाड़ियों पर बसे विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों के लिए शासन की मोबाइल मेडिकल यूनिट एक वरदान साबित हो रही है। 'अस्पताल खुद ग्रामीण के द्वार' की परिकल्पना को साकार करते हुए, इस सेवा ने पिछले साढ़े तीन महीनों में 2035 लोगों को उनके ही मोहल्ले में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं।

पूर्व में इन क्षेत्रों के ग्रामीणों को सामान्य इलाज के लिए भी कई मील पैदल चलना पड़ता था। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत 15 जनवरी 2026 से संचालित यह यूनिट विशेष पिछड़ी जनजाति 'कमार' बाहुल्य ग्राम बल्दाकछार और औराई सहित कसडोल क्षेत्र के अन्य गांवों में निरंतर कैंप लगा रही है। अब सुदूर बस्तियों के लोगों को शहर के चक्कर काटने की आवश्यकता नहीं रह गई है। इस चलते-फिरते अस्पताल में सुविधाओं का पूरा तामझाम मौजूद है। प्रत्येक यूनिट में एक मेडिकल ऑफिसर, लैब टेक्निशियन, नर्स और ड्राइवर की दक्ष टीम तैनात रहती है।

निःशुल्क जांचः बीपी, शुगर, मलेरिया और हीमोग्लोबिन जैसी महत्वपूर्ण जांचें मौके पर ही की जाती हैं।अनुभवी डॉक्टरों द्वारा चिकित्सा सलाह के साथ-साथ मुफ्त दवाइयां भी वितरित की जा रही हैं। प्रशासन द्वारा कैंप लगाने की तिथि और स्थान एक माह पूर्व ही निर्धारित कर लिया जाता है। ग्रामीणों को समय पर सूचना मिले, इसके लिए गांव-गांव में मुनादी (ढोल बजाकर घोषणा) करवाई जाती है। इससे ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि अस्पताल में लंबी कतारों और परिवहन के सीमित साधनों के कारण पहले हमारा पूरा दिन बर्बाद हो जाता था। अब घर के पास इलाज मिलने से समय और धन दोनों की बचत हो रही है। इस पहल का सबसे बड़ा सकारात्मक प्रभाव ग्रामीणों की सोच पर पड़ा है। विशेष पिछड़ी जनजाति के लोग जो पहले केवल बैगा-गुनिया या पारंपरिक जड़ी-बूटियों पर निर्भर थे, अब उनमें आधुनिक चिकित्सा पद्धति के प्रति विश्वास जागा है।

अधिकारी कर्मचारी शासकीय कार्यों में लापरवाही नहीं करे : कलेक्टर

गरियाबंद। कलेक्टर बीएस उईके ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।कलेक्टर ने विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरते। तथा सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करे। बैठक में प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए संभावित गड्बड़ियों की जांच कराने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा लंबित

पेंशन प्रकरणों के शीघ्र निराकरण करे।छत्तीसगढ़ निरूशक्तजन वित्त एवं विकास निगम के अंतर्गत लंबित ऋण वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को विवाह पंजीयन तथा जन्म-मृत्यु पंजीयन की ऑनलाइन प्रक्रिया अनिवार्य रूप से लागू करने को कहा गया। आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 को ध्यान में रखते हुए समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर उईके ने जिला स्तरीय कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन तथा इसे निचले स्तर तक लागू करने के निर्देश दिए। साथ ही 1 मई से प्रारंभ होने वाली जनगणना की तैयारियों को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित होने वाले जन समस्या निवारण शिविरों को लेकर कलेक्टर ने विशेष जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक शिविर में प्राप्त आवेदनों का अनिवार्य रूप से पंजीयन किया जाए और उनका त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

भीषण गर्मी में राहत, न्यायालय परिसर में निःशुल्क शीतल जल प्याऊ शुरू

सूरजपुर। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच सूरजपुर में एक मानवीय व सराहनीय पहल की गई है। वरिष्ठ नागरिक संघ सूरजपुर द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से जिला एवं सत्र न्यायालय सूरजपुर परिसर में निःशुल्क शीतल जल प्याऊ का शुभारंभ किया गया। इस पहल का उद्देश्य दूर-दराज के गांवों से न्यायालय आने वाले ग्रामीणों, राहगीरों एवं पक्षकारों को भीषण गर्मी में पानी के लिए भटकने की परेशानी से मुक्ति दिलाना है। ताकि हर जरूरतमंद को समय पर शीतल जल उपलब्ध हो सके।

प्याऊ के उद्घाटन अवसर पर विनिता वार्नर, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर ने वरिष्ठ नागरिक संघ के

पदाधिकारियों एवं सदस्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह कार्य केवल पानी पिलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वरिष्ठ नागरिक संघ ने इस पहल के माध्यम से समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व के निर्वहन का संदेश भी दिया है।

विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर की सचिव पायल टोपनो ने कहा कि पक्षकारों के लिए यह जल सेवा किसी वरदान से कम नहीं है। न्यायालय परिसर में आने वाले लोगों को इस सुविधा से बड़ी राहत मिलेगी। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक संघ के संयोजक लालचन्द अग्रवाल, अध्यक्ष एवं राज्य अधिवक्ता संघ के सदस्य अनिल गोयल, संरक्षक हरिदास अग्रवाल, प्रवक्ता एस.के. तिवारी, उपाध्यक्ष पवन मित्तल एवं आर.एस. मिश्रा, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बलराम शर्मा, सचिव राजेश गोयल, जिला लोक अभियोजक राजू दास तथा अधिवक्तागण सुशील निगम, जयेश दनौदिया, दुर्गा, आर.पी. यादव एवं बड़ी संख्या में अधिवक्ता तथा पक्षकार उपस्थित रहे।

गुरुकुल की विरासत व आधुनिक शिक्षा का द्वंद्व

वर्तमान समय में शिक्षा के स्वरूप, उद्देश्य और उसकी दिशा को लेकर व्यापक बहस चल रही है। विशेष रूप से वैदिक शिक्षा और गुरुकुल परंपरा की ओर पुनः ध्यान आकर्षित हो रहा है। यह केवल अतीत की स्मृतियों का पुनरावलोकन नहीं, बल्कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था की सीमाओं, असंतुलनों और संभावित सुधारों पर गंभीर चिंतन का अवसर भी है। प्राचीन भारत की शिक्षा प्रणाली मूलतः समग्र थी। वैदिक शिक्षा केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन के बहुआयामी विकास की प्रक्रिया थी। इसमें 'ब्रह्म' के ज्ञान के साथ-साथ शस्त्र और शास्त्र- दोनों का संतुलित समावेश था। अर्थात् बौद्धिक प्रखरता के साथ शारीरिक दक्षता, नैतिक मूल्यों के साथ आध्यात्मिक चेतना और व्यावहारिक जीवन-कौशल के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व सभी को समान महत्त्व दिया जाता था। गुरुकुल व्यवस्था इस समग्र शिक्षा का केंद्रबिंदु थी। शिक्षा पुस्तकों तक सीमित नहीं थी, वह जीवन की प्रयोगशाला में विकसित होती थी। कृषि, पशुपालन, औषधीय वनस्पतियों का ज्ञान, जल-संरक्षण, खगोल और गणित- ये सभी विषय व्यावहारिक रूप में पढ़ाए जाते थे। इससे शिक्षा जीवन के साथ गहरे स्तर पर जुड़ी रहती थी। गांधीजी ने भारतीय शिक्षा को एक 'सुंदर वृक्ष' की उपमा देते हुए कहा था कि अंग्रेजों ने उसकी जड़ों को कमजोर कर दिया, जिससे वह व्यवस्था धीरे-धीरे नष्ट हो गई। इसी विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए धर्मपाल ने अपने शोधग्रंथ 'द ब्यूटीफुल ट्री' में ब्रिटिश शासन से पूर्व भारत की शिक्षा व्यवस्था का विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत किया। उन्होंने यह स्थापित किया कि भारत में गांव-गांव तक शिक्षा का सुदृढ़ तंत्र विद्यमान था, जिसमें विभिन्न जातियों और समुदायों के लोग शिक्षक और विद्यार्थी दोनों रूपों में सक्रिय थे, जिससे शिक्षा में समावेशिता और सामाजिक संतुलन बना रहता था। यह शिक्षा प्रणाली स्वाभाविक, सामाजिक और जीवन-सापेक्ष थी। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यदि हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की ओर देखें, तो इसमें समग्र शिक्षा की अवधारणा को पुनर्जीवित करने का प्रयास दिखाई देता है। के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में तैयार इस नीति में बहुविषयक अध्ययन, कौशल विकास, नैतिक शिक्षा और रचनात्मकता पर बल दिया गया है। यह एक सकारात्मक पहल है, किंतु इसके क्रियान्वयन में अब भी कई चुनौतियां हैं। विशेषकर वैदिक शिक्षा की गहराई- जिसमें जीवन और ज्ञान का अभिन्न संबंध था और टैगोर की वैश्विक मानवीय दृष्टि, इन दोनों को व्यवहार में उतारने के लिए अधिक ठोस, संरचनात्मक और दीर्घकालिक प्रयासों की आवश्यकता है।

आज की शिक्षा प्रणाली में कई परिवर्तन स्पष्ट रूप से देखे जा सकते हैं। विद्यालयों में प्रार्थना सभाएं, प्रभात फेरियां, राष्ट्रगीत एवं 'वंदे मातरम्' जैसे सामूहिक सांस्कृतिक उपक्रम धीरे-धीरे सीमित होते जा रहे हैं। शिक्षा में मूल्यों का क्षरण भी एक गंभीर चिंता का विषय है। प्रतिस्पर्धा, अंक-केन्द्रितता और कॅरियर की दौड़ ने शिक्षा को एक सीमित दायरे में बांध दिया है। जबकि वैदिक शिक्षा में सत्य, अहिंसा, सेवा, संयम व सहअस्तित्व जैसे मूल्यों को जीवन का आधार माना जाता था। ऐसी स्थिति में यह आवश्यक हो जाता है कि हम अतीत और वर्तमान के बीच संतुलन स्थापित करें। वैदिक शिक्षा की मूल भावना- समग्रता, प्रकृति संग जुड़ाव, मूल्य-आधारित जीवन और व्यावहारिक ज्ञान व टैगोर की मानवीय शिक्षा-दृष्टि, को आधुनिक शिक्षा में समाहित किया जाए। शिक्षा को केवल 'सूचना' देने का माध्यम नहीं, बल्कि 'व्यक्तित्व निर्माण' का साधन बनाना होगा। यदि हम शिक्षा को जीवन से जोडऩे में सफल होते हैं, तो न केवल सक्षम व्यक्ति का निर्माण होगा, बल्कि जागरूक, संवेदनशील व संतुलित समाज भी विकसित होगा।

रिश्तों में बेवजह की मदद एहसान नहीं, अहसास होती है

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

जरा सोचिए कि कितनी बार मां ने अपनी दोस्त के हाथों आपका पसंदीदा अचार भेजने की पेशकश की होगी? आपको मना करने का अपना तर्क भी याद होगा, 'मां, मैं यहां इसे शिपिंग खर्च से भी सस्ते में खरीद सकता हूं। और प्लीज, अपनी दोस्त को मेरे ऑफिस मत भेजा करो, वे पूरा माहौल स्कैन करती हैं।' यदि आपने मां का चेहरा देखा होता तो उनकी चमक कम होती दिखती। फोन रखने पर भी वे उदास रहती हैं। धीरे से कहती हैं, 'बहुत बदल गया।' फिर अपने आराध्य से आपको सेहतमंद रखने की प्रार्थना करती हैं। वह जार किनारे रख कर उम्मीद करती हैं कि किसी चमत्कार से यह आप तक पहुंच जाए। पिताजी आकर कहते हैं, 'फिर मना कर दिया? मुंबई में सब कुछ मिलता है।' वह साड़ी से मुंह पोंछते हुए खराब तेल और कीटनाशकों की बात कहती हैं। किसी को अहसास नहीं होता कि वे आंसू भी पोंछ रही थीं। आपको अंदाजा नहीं कि उस इनकार की कीमत क्या है। उनके इस भाव पर इनकार से आप महज खाना ही नहीं, बल्कि उनकी अहमियत को भी ठुकराते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी जरूरत नहीं रही, वह दूर हो गई हैं। उनके लिए भावनाओं की यह दूरी किलोमीटरों की दूरी से कहीं ज्यादा है। उन्हें वो दो दशक याद आते हैं, जब आप उनके बिना खाना नहीं खाते थे। वो बच्चा उनका खाना मांगता था, आज का आदमी बोलता है- 'मैं मैनेज कर लूंगा'। वह अचार आपके कहने पर नहीं, बल्कि अपनी अहमियत के अहसास के लिए भेजती हैं। और आपका प्रत्येक 'मैं मैनेज कर लूंगा' इस अहसास को कम करता है। बात ऑर्गेनिक नींबू की नहीं, बल्कि आपके जीवन में उनकी भूमिका की है।

दीर्घकाल तक सत्संग से ही संदेहों का नाश होता है

पं. विजयशंकर मेहता

बचपन में तर्कशक्ति बौद्धिक क्षमता को बताती है। स्मरण-शक्ति कभी भी धोखा दे सकती है, क्योंकि स्मृति में बहुत कम बातें ही रुकती हैं। और एक ही समय में यदि कई चीजों पर ध्यान दिया जाए तो परिणाम में दबाव और तनाव मिलेगा। हम देख रहे हैं हमारे बच्चे इन समस्याओं से जूझ रहे हैं। तो इसका एक तरीका है कि उन्हें सत्संग से गुजारा जाए।

माता-पिता कहते हैं बच्चों को सत्संग में क्यों ले जाएं, अभी उनकी उम्र नहीं है। लेकिन तैयारी बचपन से ही करनी पड़ेगी। गरुड़, राम का रहस्य जानने के लिए शंकर जी के पास पहुंचे तो रास्ते में ही शंकर जी मिल गए और गरुड़ ने पूछा कि मुझे बताइए मुझे राम की शक्ति पर भ्रम क्यों हो रहा है।

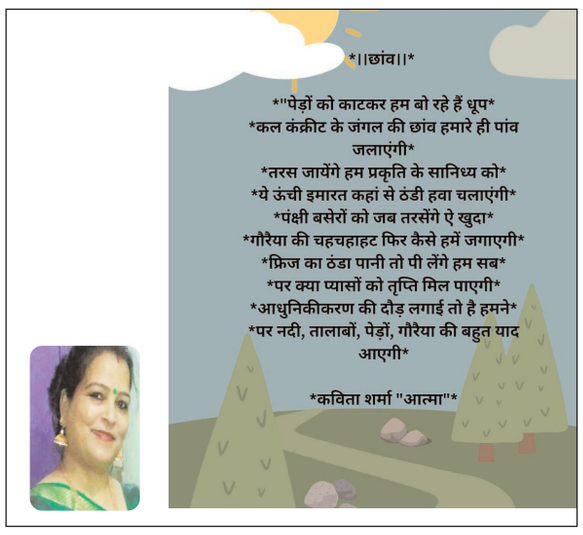

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

जब अर्जुन ने भगवान के द्वारा दी गई दृष्टि से भगवान के विराट रूप को देखा तो उसे सबसे आश्चर्य भरा दृश्य यह दिखाई दिया कि भगवान के उस विराट रूप में भीष्म, द्रोण, कर्ण आदि जितने बड़े-बड़े योद्धा हैं सबके-सब मरे हुए पड़े हैं। तब अर्जुन भगवान से व्याकुल होकर पूछता है कि इस विराट रूप में यदि सब मरे हुए पड़े हैं तो फिर मेरे लड़ने का प्रश्न क्या है ? और यदि ये नहीं मरे हुए हैं, इनको मारना है, तो यह जो दिखाई दे रहा है कि ये सब मर गए हैं, इसका तात्पर्य क्या है ? तब भगवान अर्जुन की मनःस्थिति को समझकर मुस्कुराए। तथा अपना परिचय देते हुए भगवान ने तुरंत कहा - 'कालोस्मि लोकक्षयकृत्प्रवृध्दो' अर्जुन ! मैं तो साक्षात काल हूं। और जैसे सृष्टि का सृजन मेरा (काल का) एक स्वरूप है उसी प्रकार सृष्टि का ध्वंस भी मेरा एक स्वरूप है। तथा इस समय ध्वंस की इस प्रक्रिया को लेकर मैं तुम्हारे सामने उपस्थित हूं। और इस विराट स्वरूप के द्वारा भगवान ने जो संकेत किया वह बड़े महत्व का है। इस कार्य के द्वारा भगवान मानो अर्जुन को यह बताना चाहते थे ।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

हमें दुनिया से प्रतिस्पर्धा करने वाले शहर विकसित करने होंगे

ईरान युद्ध ने जहां दुनिया भर को प्रभावित किया है और भारत को भी तेल की ऊंची कीमतों और उससे पैदा होने वाली महंगाई के रूप में इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा, वहीं इसमें एक छिपा हुआ अवसर भी है। यदि इसे सही ढंग से साधा जाए तो यह हमारी आर्थिक वृद्धि को उल्लेखनीय रूप से बढ़ा सकता है और सरकार के लिए पर्याप्त अप्रत्यक्ष-राजस्व उत्पन्न कर सकता है। क्या यह पढ़कर आप उत्सुक हो गए हैं? तब तो आगे पढ़ते रहें।

मध्य-पूर्व लंबे समय से दुनिया के कुछ सबसे प्रमुख ग्लोबल-शहरों का घर रहा है। दुबई, अबू धाबी, दोहा, कुवैत सिटी, रियाद ने सुरक्षित, टैक्स-फ्रेंडली और बिजनेस-अनुकूल स्थानों के रूप में पहचान बनाई है। इसने दुनिया भर के प्रवासियों, उद्यमियों और हाई-नेटवर्थ वाले व्यक्तियों को आकर्षित किया है। हालांकि इन शहरों की ये विशेषताएं अब भी काफी हद तक कायम हैं, लेकिन भू-राजनीतिक अनिश्चितता के दौर में वैश्विक निवेशक अब नए विकल्प खोजने लगे हैं। और इसी में भारत के लिए अवसर है। यह विचार तो खैर पहले से ही मौजूद था, लेकिन वर्तमान वैश्विक परिदृश्य इसे विशेष रूप से प्रासंगिक बनाता है। भारत अपने यहां ऐसे ही किसी टैक्स-फ्रेंडली और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी शहर को विकसित करने पर विचार कर सकता है- हांगकांग, सिंगापुर या दुबई जैसे मॉडलों का अपना संस्करण तैयार करते हुए।

हमें मालूम होना चाहिए कि दुनिया के दूसरे देश पहले ही खुद को विकल्प के रूप में स्थापित करने लगे हैं। ग्रीस जैसे देश निवेश-आधारित निवास कार्यक्रमों (रेसीडेंसी-बाय-इनवेस्टमेंट) को बढ़ावा दे रहे हैं। हाल ही में तुर्किये ने भी नए निवासियों को आकर्षित करने के लिए विदेशी आय पर 20 वर्षों के टैक्स-हॉलिडे की घोषणा की है।

यहां हांगकांग भी एक उपयोगी संदर्भ-बिंदु साबित हो सकता है, जो चीन का विशेष प्रशासनिक क्षेत्र है। चीन का हिस्सा होने के बावजूद वह एक अलग कानूनी, रेगुलेटरी और कर-ढांचे के तहत काम करता है, जहां करों की अपेक्षाकृत कम दरें और बेहतर ईज-ऑफ-डुइंग-बिजनेस है।

ध्यान दिया जाना चाहिए कि दुनिया के कई सफल वैश्विक केंद्रों ने विकास को गति देने के लिए निम्न-कर नीतियों का उपयोग किया है। ऐसे मॉडलों में भी सरकारें वैकल्पिक माध्यमों- जैसे शुल्क, रियल एस्टेट डेवलपमेंट और आर्थिक गतिविधियों के जरिए राजस्व कमाती हैं। तेजी से वैश्वीकृत होती दुनिया में पूंजी और प्रतिभा अत्यंत गतिशील हो चुके हैं। यदि भारत प्रतिस्पर्धी इको-सिस्टम नहीं बनाता है, तो इनका प्रवाह अन्य क्षेत्रों की ओर चला जाएगा। सवाल यह नहीं है कि ऐसे केंद्र हमारे यहां होने चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि वे कहां पर बनने जा रहे हैं। क्यों न भारत के भीतर ही एक वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी शहर विकसित किया जाए? केवल एनआरआई को टारगेट करने वाला रियल एस्टेट प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि एक पूर्ण रूप से फंक्शनल इकोनॉमिक-जोन, जहां व्यक्ति और व्यवसाय वैश्विक मानकों के अनुरूप काम कर सकें। जहां रहने वाले भारतीयों को, उस क्षेत्र के संदर्भ में, एनआरआई के समान ट्रीटमेंट मिले। जाहिर है कि इसका मतलब होगा उस शहर में अलग कानून लागू होंगे। वहां रहने और काम करने वालों के लिए पहचान पत्र जारी करने होंगे। यह सुनिश्चित करने के लिए एक तरह की 'इमिग्रेशन' प्रणाली भी बनानी होगी कि कौन अंदर आता है, कौन बाहर जाता है, और कौन वहां रह रहा है- आज की ट्रैकिंग तकनीकों से यह सब पूरी तरह संभव है। इसके लिए स्पष्ट कानूनी संरचनाओं, सुव्यवस्थित निवास प्रणाली और नीतिगत निश्चितता आवश्यक होगी। आधुनिक तकनीक और प्रशासनिक उपकरणों के साथ ऐसे तंत्र पूरी तरह लागू किए जा सकते हैं। कुछ लोग गुजरात की गिफ्ट सिटी (गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी) को इस दिशा में एक कदम के रूप में देख सकते हैं।

हैकिंग को रूटीन बना देना एआई की 'बुद्धिमत्ता' नहीं कहला सकती

थॉमस एल. फ्रीडमैन, तीन बार पुलित्ज़र अवॉर्ड विजेता एवं 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' में स्तंभकार

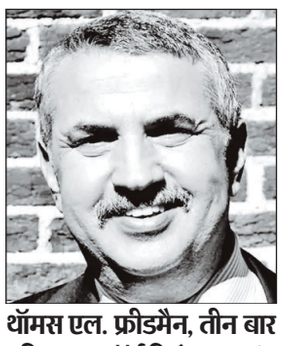

एआई कम्पनी एंथ्रोपिक ने हाल ही में अपने लार्ज लैंग्वेज मॉडल की नवीनतम सेवा क्लॉड माइथोस प्रिव्यू को जारी किया, लेकिन यह केवल 40 बड़ी टेक-कंपनियों के सीमित समूह के लिए होगा। यह नया मॉडल परफॉर्मेंस में बुनियादी बदलावों का दावा करता है, जिसके साइबर और राष्ट्रीय सुरक्षा पर गहरे प्रभाव हो सकते हैं। क्लॉड माइथोस के डेवलपमेंट के दौरान एंथ्रोपिक ने पाया कि यह न केवल किसी भी मॉडल की तुलना में अधिक जटिलता और आसानी से सॉफ्टवेयर कोड लिख सकता है, बल्कि अपनी इस क्षमता के चलते यह दुनिया के लगभग सभी प्रमुख सॉफ्टवेयर सिस्टमों में व्याप्त कमजोरियों को भी पहले की तुलना में अधिक आसानी से खोज सकता है। लेकिन अगर यह टूल गलत हाथों में चला गया, तो वे दुनिया के लगभग हर प्रमुख सॉफ्टवेयर सिस्टम- यहां तक कि इस समूह में शामिल कंपनियों द्वारा बनाए सिस्टमों को भी हैक कर सकते हैं।

यह कोई पब्लिसिटी-स्टंट नहीं है। इस घोषणा से पहले, प्रमुख टेक-कंपनियों के प्रतिनिधि ट्रम्प प्रशासन के साथ निजी तौर पर इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि इसका उन देशों की सुरक्षा पर क्या प्रभाव पड़ेगा, जो इन असुरक्षित सॉफ्टवेयर प्रणालियों का उपयोग करते हैं।

एंथ्रोपिक ने अपने एक लिखित बयान में कहा कि पिछले केवल एक महीने में ही माइथोस प्रिव्यू ने हजारों गंभीर कमजोरियों की पहचान की है। ये हर प्रमुख ऑपरेटिंग सिस्टम और वेब ब्राउजर में शामिल हैं। एआई जिस तेजी से बढ़ रहा है, उसके मद्देनजर ऐसी क्षमताओं का व्यापक होना अब दूर नहीं है। और संभव है कि वे उन पक्षों से भी आगे फैल जाएं, जो इन्हें सुरक्षित रूप से उपयोग करने की बात करते हैं।

सुपर-इंटेलिजेंट एआई अपेक्षा से कहीं तेजी से सामने आ रहा है। यह तो पहले से स्पष्ट था कि एआई किसी भी व्यक्ति- चाहे उसकी कम्प्यूटर साक्षरता का स्तर कुछ भी हो- को सॉफ्टवेयर कोड लिखने में असाधारण रूप से सक्षम बना रहा है। लेकिन बताया जाता है कि स्वयं एंथ्रोपिक ने भी यह अनुमान नहीं लगाया था कि यह इतनी जल्दी, इतनी दक्षता के साथ, मौजूदा कोड में खामियों को खोजने और उनका दोहन करने के तरीकों को पहचानने में सक्षम हो जाएगा। क्लॉड माइथोस ने हर प्रमुख ऑपरेटिंग सिस्टम और वेब ब्राउजर में गंभीर कमजोरियों की पहचान की है- ये ऐसे सिस्टम हैं, जिन पर दुनिया भर में बिजली ग्रिड, जल आपूर्ति तंत्र, एयरलाइन आरक्षण प्रणालियां, रीटेलिंग नेटवर्क, सैन्य प्रणालियां और अस्पताल निर्भर हैं। यदि यह टूल व्यापक रूप से उपलब्ध हो जाता है, तो इसका अर्थ होगा कि किसी भी प्रमुख बुनियादी ढांचे की प्रणाली को हैक करने की क्षमता- जो पहले केवल निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों और खुफिया एजेंसियों तक सीमित ?थी और जो एक कठिन और महंगा कार्य था- अब हर आपराधिक तत्व, आतंकी संगठन, देश के लिए सुलभ हो सकती है।

इस समस्या का समाधान दुनिया का कोई भी देश अकेले नहीं कर सकता। शुरुआत दो एआई महाशक्तियों- अमेरिका और चीन को करनी होगी। यह बहुत जरूरी हो गया है कि वे आपस में सहयोग करना सीखें, ताकि बुरी ताकतें इस साइबर क्षमता तक पहुंच न बना सकें। यह उतना ही बुनियादी महत्व का है, जितना एटमी हथियारों के बाद परमाणु अप्रसार संधियां थीं। जटिल साइबर हैकिंग अभियानों को विकसित करने की जो क्षमता पहले बड़े देशों, सेनाओं, कंपनियों और बड़े बजट वाले आपराधिक संगठनों तक सीमित थी, वह अब छोटे समूहों को भी उपलब्ध हो सकती है।

न्यायाधीश को सियासी दृष्टि से देखने की प्रवृत्ति ठीक नहीं

इस वर्ष की शुरुआत में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शराब नीति मामले में ट्रायल कोर्ट ने इस आधार पर आरोपमुक्त कर दिया कि उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया कोई मामला नहीं बनता है। इस फैसले को सीबीआई ने दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी। सुनवाई के दौरान मामले ने तब अप्रत्याशित मोड़ लिया, जब केजरीवाल ने एक आवेदन दायर कर यह मांग की कि सुनवाई कर रही जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा इस मामले से स्वयं को अलग कर लें, क्योंकि उन्हें पक्षपात की आशंका है। यद्यपि इस आवेदन को खारिज कर दिया गया, लेकिन यह घटना एक परिचित प्रश्न को फिर सामने लाती है- आखिर किसी जज को कब किसी मामले की सुनवाई से अलग होना चाहिए? भारत में रीक्यूजल (स्वयं को अलग करने) का कानून अपेक्षाकृत स्पष्ट है, भले ही उसके प्रयोग पर अकसर बहस होती रहती हो। इसका मूल परीक्षण यह है कि क्या एक सामान्य, समझदार व्यक्ति के मन में पक्षपात की आशंका उत्पन्न होती है। यह कोई हल्का मानदंड नहीं है। अदालतों ने लगातार यह कहा है कि ऐसी आशंका ठोस तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए, न कि केवल अस्पष्ट संदेह या राजनीतिक असहमति पर। समय के साथ कुछ सीमित और स्पष्ट आधार विकसित हुए हैं- जैसे आर्थिक हित, उसी मामले में पूर्व भागीदारी, या किसी पक्ष के साथ निकट व्यक्तिगत संबंध। इनसे परे, विशेषकर वैचारिक या संस्थागत पक्षपात के आरोपों में, मापदंड काफी ऊंचा होता है। अकसर देखा गया है कि उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों की सुनवाई से स्वयं को अलग कर लेते हैं। गुजरात और इलाहाबाद उच्च न्यायालयों में राहुल गांधी से जुड़े कई मामलों में न्यायाधीशों ने बिना कारण बताए स्वयं को अलग किया है।

किसी के लिए उम्मीद ही सबसे अच्छा गिफ्ट हो सकता है

सुगि अमाया (29) की कहानी किसी बड़े अभियान से नहीं, बल्कि एक सन्नाटे के साथ शुरू हुई। जुलाई 2022 में उनका संसार बिखर गया, जब उनके 24 साल के भाई एलेक्सिस को पापा जॉन्स पिज्जेरिया से लेट-नाइट शिफ्ट करके लौटते वक्त पुलिस ने पकड़ लिया। आरोप एल-साल्वाडोर का वही जाना-पहचाना था- गैंग से जुड़ाव। किसी ट्रायल और कानूनी रास्ते के बगैर ही एलेक्सिस को वो जेल सिस्टम निगल गया, जो पूरे देश के लिए पुलिसिया जाल बन चुका था।

यह सेंट्रल अमेरिका के सबसे छोटे देश एल-साल्वाडोर की हकीकत है। 2022 की शुरुआत में हत्याओं में तेज बढ़ोतरी के बाद राष्ट्रपति नायिब बुकेले ने आपातकाल लगा दिया। जो कदम अपराध के खिलाफ शुरू हुआ, धीरे-धीरे ऐतिहासिक सख्ती में बदल गया। आज इस देश में दुनिया की सर्वाधिक कारावास दर है, जहां कार्रवाई की शुरुआत से अब तक 91 हजार से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। यह वयस्क आबादी का करीब 2% है। मानवाधिकार संगठनों ने चेताया है कि 'अरेस्ट कोटा' के चलते पुलिस गरीबों को निशाना बना रही है। एलेक्सिस जैसे लोगों को अकसर सिर्फ टैटू या अनजान सूचना के आधार पर पकड़ लिया जाता है। नतीजतन, इस देश में बहुत बड़ा विरोधाभास है। आंकड़ों में तो एल-साल्वाडोर दुनिया के सबसे हिंसक देशों में से एक से बदलकर पश्चिमी गोलार्ध के सबसे सुरक्षित देशों में शामिल हो गया। लोग नई आजादी की बात करते हैं- मसलन, रात में बेखौफ चल पाना या बिना वसूली के दुकान चला पाना। लेकिन इस सुरक्षा की भयानक कीमत पीछे छूट गए परिवारों को चुकानी पड़ी है। बुनियादी सुविधाओं की किल्लत वाली और भीड़ भरी जेलों में बंद रिश्तेदारों के लिए खाना और दवाएं जुटाना गरीबों के जीवन का संघर्ष बन गया है।

एलेक्सिस की गिरफ्तारी के बाद सुगि का जीवन राजधानी सैन-साल्वाडोर के एक कन्वर्टेड मूवी थिएटर के बाहर के फर्श तक सिमट गया है। यह जगह जटिल जेल सिस्टम में आने-जाने वालों के लिए ठहराव स्थल है। जेल की दीवारों की छांव अब सुगि का दूसरा घर बन गई है। भाई की गैरमौजूदगी की इस रिक्तता में कड़वाहट उनके मन में आ सकती थी। लोहे के इन दरवाजों में उन्हें सिर्फ दुश्मन ही दिख सकते थे। लेकिन उन्होंने इनमें एक आईना देखना चुना।

बच्चों को अपनी मां के पास छोड़कर सुगि रात भर इंतजार करती हैं। एल-साल्वाडोर में कैदियों की रिहाई बहुत कम और अकसर बिना सूचना के तड़के ही होती है। तब कोई रिश्तेदार कागजों पर साइन करने के लिए न हो तो कैदी वापस भीतर भेज दिया जाता है। इसे रोकने के लिए सुगि अजनबियों के लिए वहां रहती हैं।

वह बिना किसी सोच-विचार के एक साफ शर्ट और जूते लेकर रिहा हुए लोगों के पास जाती हैं और रिलीज फॉर्म पर साइन करती हैं। धीरे से कहती हैं, 'अब आप ठीक हैं।' सुगि की आवाज उन्हें फिर से जिंदगी से जोड़ती है। जरूरतमंदों को वह घर जाने का किराया देती हैं और जिनके पास कोई जगह नहीं, सुगि का छोटा-सा घर ही ठिकाना होता है- जहां गर्म खाने और बिस्तर से उनका 'क्रिमिनल' का टैग धुल जाता है।

जब लोग पूछते हैं कि वे अनजान लोगों के लिए क्यों गंदगी में रातें बिताती हैं, तो सुगि को एलेक्सिस याद आता है। उनकी उम्मीद किसी चक्र जैसी है। उन्हें भरोसा है कि अजनबियों के साथ सम्मान से पेश आकर वे दुनिया में इतनी रोशनी फैला रही हैं, जो उस अंधेरी कोठरी तक पहुंचेगी, जहां उनका भाई है।

वे ऐसी दुनिया बना रही हैं, जिसमें वे चाहती हैं कि उनका भाई लौटे। आज सुगि का मिशन बढ़ चुका है। पूरे अमेरिका महाद्वीप से परिवार उन्हें मदद भेजते हैं। जिनकी उन्होंने मदद की थी, वे इसमें योगदान दे रहे हैं। अब वे कानून की छात्रा हैं, लेकिन उनका 'फुल-टाइम जॉब' दूसरों के लिए जेल सिस्टम से जूझना ही है।

संडे बाजार में दुकान लगाने के विवाद पर जानलेवा हमला...

रायपुर। रायपुर के मौदहापारा थाना क्षेत्र में संडे बाजार में दुकान लगाने के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इलेक्ट्रिक गाड़ी चार्ज करने को लेकर शुरू हुआ विवाद चाकूबाजी तक पहुंच गया।

आरोपी ने ठेले से चाकू उठाकर युवक पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना दिनदहाड़े होने से इलाके में हड़कंप मच गया। पीड़ित का नाम निजामुद्दीन और आरोपी का नाम शाहिद बताया जा रहा है।

अब पढ़े क्या है पूरा मामला पुलिस के मुताबिक, वारदात 29 अप्रैल की शाम करीब 5-6 बजे रजबंधा मैदान स्थित चाय गोविंदम कैफे के पास हुई। मौदहापारा निवासी निजामुद्दीन (25) ऑटो चार्जिंग का काम करता है। वह बाइक से घर लौट रहा था, तभी रास्ते में आरोपी शहिद से उसका सामना हो गया।

बताया जा रहा है कि दोनों के बीच पहले से संडे बाजार में दुकान लगाने को लेकर विवाद चल रहा था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

आरोप है कि शहिद ने गाली-गलौज करते हुए पास में खड़े ठेले से चाकू उठाया और निजामुद्दीन पर हमला कर दिया। उसने युवक के शरीर पर चार जगह वार किए, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। आरोपी ने हाथ, सिर, कंधे सहित पांच जगह चाकू मारा है।

मघटना के बाद आसपास के लोगों ने तुरंत घायल को मेकाहारा अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के मुताबिक उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं, वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। मौदहापारा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और जल्द गिरफ्तारी का दावा कर रही है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, वीडियो बनाकर परिजनों को भेजा

रायपुर। रायपुर पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और उसका वीडियो बनाकर परिजनों को भेजने वाले मुख्य आरोपी सहित होटल मैनेजर को गिरफ्तार किया है। मामला पुलिस कमिश्नरेट के मध्य जोन अंतर्गत मौदहापारा थाना क्षेत्र का है।

होटल ले जाकर बनाया वीडियो, फिर किया शेयर

पीड़िता ने 26 अप्रैल 2026 को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि टोनी ध्रुव उर्फ मुन्नू शादी का झांसा देकर उसे जीई रोड स्थित एक होटल में ले गया। यहां अपने परिचित होटल मैनेजर की मदद से बिना वैध आईडी के कमरा लिया गया। इसके बाद आरोपी ने शारीरिक संबंध बनाकर उसका वीडियो बनाया और बाद में पीड़िता के परिजनों को भेज दिया। इसके बाद शादी से इनकार कर दिया।

24 घंटे में आरोपी और मैनेजर गिरफ्तार

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर मुख्य आरोपी और होटल मैनेजर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। पुलिस ने बताया कि मैनेजर ने नियमों का उल्लंघन करते हुए बिना आईडी प्रूफ के कमरा उपलब्ध कराया, जिससे अपराध में सहायता मिली।

होटल संचालकों को सख्त चेतावनी

रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने सभी होटल, लॉज और गेस्ट हाउस संचालकों को निर्देश दिए हैं कि हर आने वाले व्यक्ति से वैध पहचान पत्र लेना जरूरी है और उसका पूरा रिकॉर्ड रखना होगा।

इलाज से पहले का दर्द...:

9 बजे से लाइन में, 12 बजे डॉक्टर ने देखा, 4 बजे एक्स-रे और पौने 5 पर आई रिपोर्ट; तब तक विशेषज्ञ चले गए

रायपुर। सरकारी अस्पतालों में इलाज कराना किसी जंग से कम नहीं है। इन सरकारी अस्पतालों में आम आदमी रोज इलाज के नाम पर जंग लड़ता है। पहले रजिस्ट्रेशन की लाइन, फिर डॉक्टर की जांच के लिए कतार, इसके बाद आवश्यक जांच और अंत में रिपोर्ट के लिए कतार।

जब तक रिपोर्ट हाथ में आती है, तब तक डॉक्टर के केबिन बंद हो जाते हैं। और दूसरे दिन फिर से शुरू होती है कतार...। छत्तीसगढ़ के कोने-कोने से आने वाले मरीजों के लिए रायपुर के एम्स, मेकाहारा और डीकेएस किसी मंदिर से कम नहीं हैं, लेकिन इन मंदिरों के भीतर की हकीकत पत्थर के बुतों जैसी ही ठंडी और बेदर्द है।

खुद मरीज बनकर इन अस्पतालों में पहुंची तो पता चला कि बीमारी ठीक करने के पहले सिस्टम जो इंतजार करवाता है, वह इंसान को और बीमार कर देती है। यहां डॉक्टर के स्टेथोस्कोप से पहले सरकारी फाइलों और कतारों का शोर सुनाई देती है।

आज पढ़िए एम्स में कैसे एक व्यक्ति को अलग-अलग कतारों में खड़े होकर इलाज और जांच के लिए इंतजार करना पड़ता है...

एम्स.... सुबह साढ़े 9 बजे से लगी लाइन, 4.45 तक जूझते रहे, कोई सुनने वाला नहीं

रायपुर एम्स, जिसे प्रदेश का सबसे आधुनिक अस्पताल कहा जाता है। यहां की असली परेशानी इमारतों के बीच की दूरी और लंबी प्रक्रिया में साफ नजर आती है। सुबह साढ़े 9 बजे जब हम ऑर्थो के मरीज बनकर अस्पताल पहुंचे, तब वहां पहले से ही लंबी लाइन लगी हुई थी। हमने ड्रीफकेस एप खोलकर टोकन लिया। टोकन नंबर 2302 था, जबकि कार्ड बनाने वाली लाइन में 750 नंबर चल रहा था।

इस टोकन के जरिए पहले कार्ड बनाना होता है, फिर उसी कार्ड के आधार पर डॉक्टर को दिखाया जाता है। करीब एक घंटे कतार में खड़े रहने के बाद एक गार्ड ने घोषणा की कि ऑर्थो के मरीज डी-ब्लॉक में जाकर रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। यह सुनकर हम डी-ब्लॉक पहुंचे, जहां भी लाइन लगी थी, लेकिन पहले से कम। करीब आधे घंटे बाद 11 बजे हमारा कार्ड बना।

इसके बाद हम ऑर्थो वार्ड पहुंचे, जहां हमें फिर से 154 नंबर दिया गया। यहां बैठने की व्यवस्था सीमित थी, कई मरीज दीवार के सहारे खड़े थे तो कुछ दर्द में जमीन पर बैठकर इंतजार कर रहे थे। गार्ड 10-10 मरीजों को बुला रहा था और हमारी बारी 12 बजे आई। डॉक्टर ने जांच कर दवाइयां लिखीं और एक्स-रे कराने कहा।

इसके बाद एक्स-रे की पर्ची बनवाने डॉक्टर के कमरे के पास पहुंचे, जहां 5-7 लोग पहले से लाइन में थे। 15 मिनट बाद हमारी पर्ची बनी। इसके बाद बिलिंग काउंटर की लाइन में लगे, लेकिन 10 मिनट बाद ही महिला स्टाफ ने सभी से कार्ड जमा करा लिए और 12.30 बजे लंच ब्रेक का बोर्ड लगाकर काउंटर बंद कर दिया।

आधे घंटे बाद स्टाफ लौटी और नाम पुकारे गए। इसी दौरान एक महिला केवल डिजिटल भुगतान की शर्त के कारण रोने लगी। उसने कैश देने की बात कही, लेकिन स्टाफ ने मना कर दिया और उसे दूसरे काउंटर जाने को कहा। बाद में एक व्यक्ति ने उसकी मदद कर डिजिटल भुगतान किया। हमारी बारी आने पर एक्स-रे के लिए बी-ब्लॉक भेजा गया।

ऑर्थो डी-ब्लॉक में और एक्स-रे बी-ब्लॉक में होने से मरीजों को एक ब्लॉक से दूसरे ब्लॉक जाना पड़ा। कई मरीज दर्द में पसीने से तर-बतर होकर पहुंचे। बी-ब्लॉक में फिर लाइन लगी, जहां हमारा नंबर 131 था। गार्ड ने 2 बजे के बाद आने को कहा। 2.20 बजे पहुंचे तो 82 नंबर चल रहा था। आखिरकार 4 बजे एक्स-रे हुआ और 4:45 बजे रिपोर्ट मिली।

अब दोपहिया वाहन में पीछे बैठने वाले को भी हेलमेट पहनना जरूरी, परिवहन विभाग ने जारी किया आदेश

रायपुर। केंद्रीय मोटरयान अधिनियम के तहत दोपहिया चलाते समय हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनने कहा गया है। हाइवे पर दोपहिया सवार के साथ पीछे बैठे सवार को हेलमेट पहनना अनिवार्य किया गया है।

दोपहिया वाहन चालकों के साथ अब पीछे बैठने वालों को भी हेलमेट पहनना अनिवार्य होगा। ऐसा नहीं पहनने पर चालानी कार्रवाई की जाएगी। मई में होने वाली राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक के बाद अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए राज्य पुलिस, परिवहन विभाग और अंतरविभागीय लीड एजेंसी के अधिकारियों को हेलमेट की अनिवार्यता को लेकर प्रचार-प्रसार करने को कहा गया है। सरकार के निर्देश पर परिवहन विभाग द्वारा इसका आदेश जारी किया गया है।

इसमें केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गड़करी के निर्देशों का हवाला देते हुए पुलिस को सख्ती से जांच करने कहा गया है। साथ ही केंद्रीय मोटरयान अधिनियम के तहत दोपहिया चलाते समय हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनने कहा गया है। हाइवे पर दोपहिया सवार के साथ पीछे बैठे सवार को हेलमेट पहनना अनिवार्य किया गया है।

बता दें कि पूर्व पार्षद एवं अध्यक्ष, नहरपारा विकास समिति रमेश आहूजा ने अपर परिवहन आयुक्त को पत्र भेजा था। इसमें हेलमेट लगाने का आदेश नहीं देने वाले अधिकारियों के खिलाफ जांच समिति गठित करने की मांग की गई थी।

डीलरों के खिलाफ कार्रवाई

बिना हेलमेट दोपहिया वाहन की डिलीवरी करने वाले ऑटोमोबाइल डीलरों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी। उन्हें दोपहिया की बिक्री करते समय खरीदार को अनिवार्य रूप से हेलमेट देने कहा गया है।

हाईवे हो या शहरी क्षेत्र रोड एक्सीडेंट में मरने वाले दोपहिया वाहन चलाकों की आंकड़े संबंधित विभागों के पास है, लेकिन बगैर हेलमेट के कितने दोपहिया वाहन चालकों की मौतें हुई हैं, इसका स्पष्ट आंकड़ा परिवहन के साथ ट्रैफिक पुलिस के पास भी नहीं हैं। हाईवे के साथ शहरी क्षेत्र में ज्यादातर रोड एक्सीडेंट की घटनाएं ओवर स्पीड, रांग साइड, ड्रंक एंड ड्राइव तथा गलत तरीके से बड़ी गाड़ियों को ओवरटेक करने से होती है।

सिर की चोट बन रही बड़ी वजह

सड़क सुरक्षा से जुड़े आंकड़ों के अनुसार, दोपहिया वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं में सिर की चोटें सबसे बड़ा कारण बनती हैं। ऐसे मामलों में हेलमेट का उपयोग न होना मौत और गंभीर चोटों की प्रमुख वजह के रूप में सामने आता है। विभाग की यह पहल इसी जोखिम को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। विभाग ने सभी जिलों में नियमित निगरानी और समन्वित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि सख्त नियमों और जागरूकता अभियान के जरिए सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकेगी और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

हेलमेट अनिवार्य

केंद्रीय मोटरयान अधिनियम के तहत दोपहिया चालक और पीछे बैठने वाले को हेलमेट लगाना अनिवार्य है। इसके लिए प्रचार-प्रसाद करने के बाद राज्य सुरक्षा परिषद की बैठक में चर्चा होगी। इसके बाद अभियान चलाकर कार्रवाई होगी।

डी रविशंकर अपर परिवहन आयुक्त

रायपुर में सावित्रीबाई फुले शिक्षक महासंघ का कार्यक्रम संपन्न

रायपुर। कार्यक्रम में महासंघ की संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ लता इस हुजूर अपनी कार्यकारिणी के साथ उपस्थित रहीं।

सावित्रीबाई फुले शिक्षक महासंघ का छत्तीसगढ़ में पहला राज्य स्तरीय कार्यक्रम 29 अप्रैल को रायपुर के वृंदावन हॉल में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महासंघ की संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ लता इस हुजूर अपनी कार्यकारिणी के साथ उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा शामिल हुईं, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता रायपुर महापौर मीनल चौबे ने की। इस अवसर पर नर्मदा प्रसाद मिश्र, डॉ. मनीष वत्स, विष्णु दत्त बघेल और रुचि वर्मा ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में राज्य इकाई के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया और साथ ही लोकेश कुमार वर्मा एवं भारती वर्मा द्वारा लिखित पुस्तक 'प्रेरणा की ज्योति' का विमोचन भी किया गया। आयोजन के दौरान प्रदेशभर से आए शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया, जिसमें धमतरी जिले की शिक्षिकाओं को भी मंच पर विशेष सम्मान मिला।

महिला शिक्षकों की थी भागीदारी प्रदेश प्रवक्ता एवं राज्यपाल पुरस्कार के लिए नामांकित शिक्षिका आरती शर्मा ने बताया कि यह कार्यक्रम महिला शिक्षकों की भागीदारी, नवाचार और उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर बना।

किराए
पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

रायपुर में खाद्य-औषधि प्रशासन विभाग ने मारी रेडः

जूस दुकान खराब मैंगो पल्प मिला, सोडा भी रंगयुक्त, 15 दिनों तक चलेगा जांच अभियान

रायपुर। टीम ने गन्ना रस, सॉफ्ट ड्रिंक, आइसक्रीम और जूस सेंटरों पर विशेष जांच अभियान चलाते हुए कुल 17 दुकानों का निरीक्षण किया।

आम लोगों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार की ओर से 15 दिवसीय सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। सही दवा शुद्ध आहार यही छत्तीसगढ़ का आधार थीम के तहत खाद्य-औषधि प्रशासन की टीम जिलेभर में निरीक्षण के साथ-साथ आम नागरिकों को जागरूक भी कर रही है।

अभियान खाद्य-औषधि प्रशासन के नियंत्रक दीपक कुमार अग्रवाल के निर्देशानुसार संचालित किया जा रहा है। टीम ने गन्ना रस, सॉफ्ट ड्रिंक, आइसक्रीम और जूस सेंटरों पर विशेष जांच अभियान चलाते हुए कुल 17 दुकानों का निरीक्षण किया।

जांच में एक दुकान को नोटिस, खराब सामग्री जब्त

निरीक्षण के दौरान एक दुकान को सुधार सूचना पत्र जारी किया गया। साथ ही 6 किलो खराब नींबू, 5 किलो मैंगो पल्प और रंगयुक्त सोडा वॉटर की 7 बोतलें जब्त कर मौके पर ही नष्ट कराई गईं, ताकि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य पर खतरा न हो।

खाद्य सुरक्षा कानून के तहत दिए गए सख्त निर्देश

दुकानदारों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के प्रावधानों के अनुरूप साफ-सफाई, गुणवत्ता और मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए। विभाग ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

तिल्दा में अवैध शराब पर पुलिस की कार्रवाईः180 पौवा देशी शराब जब्त

रायपुर। रायपुर ग्रामीण जिले के तिल्दा-नेवरा थाना क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस का अभियान 'ऑपरेशन निश्चय' लगातार जारी है। इसी कड़ी में तिल्दा पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की गई है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जोगी कुंआ बैकुंठ क्षेत्र में एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब बेच रहा है। सूचना के आधार पर टीम ने घेराबंदी कर ग्राम ताराशिव निवासी पूरन लाल वर्मा (30) को मौके से पकड़ लिया।

180 पौवा देशी मसाला शराब बरामद की गई

तलाशी के दौरान आरोपी पूरन लाल वर्मा के पास से 180 पौवा देशी मसाला शराब और बिक्री के 900 रुपए नकद जब्त किए गए। जब्त की गई सामग्री की कुल कीमत लगभग 18,900 रुपए आंकी गई है।

पुलिस की कार्रवाई

आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल रायपुर भेज दिया गया।

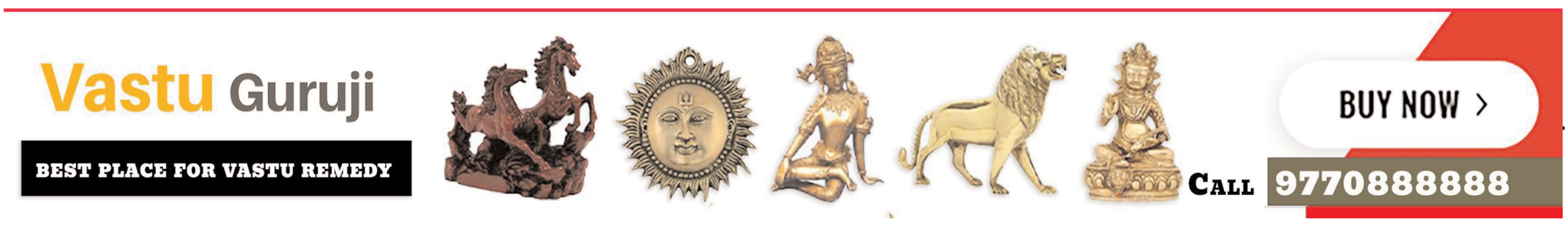

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन आपको समझदारी का इम्तिहान देगा। खर्चों पर कंट्रोल रखना होगा और हर कदम सोच-समझकर उठाना होगा। सेहत को हल्के में न लें, और परिवार के मामलों को शांति से सुलझाएं। जीवनसाथी की परेशानी दूर होती दिखेगी, लेकिन उधार लिया धन वापस मांग लिया जाए तो हैरान न हों। बड़ा रिस्क लेने से बचना ही समझदारी होगी।

वृषभ। आज किस्मत आपका साथ देने के मूड में है। जिस काम में हाथ डालेंगे, सफलता आपके कदम चूमेगी। निवेश से फायदा मिलेगा और बिजनेस में रफ्तार बढ़ेगी। बस रिश्तों में संतुलन बनाए रखें। खासकर जीवनसाथी और माता जी के साथ शब्दों का ध्यान रखें, वरना छोटी बात बड़ा रूप ले सकती है। दूर रह रहे किसी प्रियजन की याद आपको भावुक कर सकती है।

मिथुन। आज दिमाग आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और पुराने पैसे भी वापस मिल सकते हैं। आप अपने फैसलों से दूसरों को चौंका देंगे। घूमने-फिरने का प्लान बनेगा और पुण्य कार्यों में मन लगेगा। बस एक बात याद रखें। जल्दबाजी आपका खेल बिगाड़ सकती है। संतान किसी प्रतियोगिता में भाग ले सकती है, जिससे घर में उत्साह का माहौल रहेगा।

कर्क। आज अधूरे काम पूरे करने का दिन है, नहीं तो आगे चलकर परेशानी बन सकते हैं। वाहन चलाते समय खास सावधानी रखें। वैवाहिक जीवन में थोड़ी दूरी महसूस हो सकती है, इसलिए बातचीत बनाए रखें। घर में किसी शुभ आयोजन की हलचल आपको व्यस्त रखेगी। अपनी क्षमताओं को पहचानें और उसी अनुसार काम करें। आसपास के लोगों पर आंख मूंदकर भरोसा करना सही नहीं रहेगा।

सिंह। आज आपकी पहचान और प्रभाव बढ़ने वाला है। मीठी वाणी से सम्मान मिलेगा और ऑफिस में सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा। आप आगे बढ़ेंगे, लेकिन मन में किसी के लिए जलन न रखें। यात्रा के दौरान अपने सामान का ध्यान रखें, और फोकस बनाए रखने की कोशिश करें। खर्चों पर नियंत्रण रखें, नहीं तो कर्ज बढ़ सकता है। हालांकि सेहत में पहले से सुधार महसूस होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। पिताजी की सेहत चिंता का कारण बन सकती है।

कन्या। आज भागदौड़ भरा दिन रहेगा। काम के चलते यात्राएं होंगी और थकान महसूस हो सकती है। परिवार को लेकर थोड़ी चिंता रहेगी, खासकर पैतृक संपत्ति के मामलों में सतर्क रहें। जो जिम्मेदारी मिले, उसे पूरी ईमानदारी से निभाएं। वरना बड़े नाराज हो सकते हैं। काम के प्रति संतुष्टि महसूस करेंगे। माता-पिता की सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी बरतें। यदि प्रॉपर्टी खरीदने का विचार है, तो लोन में थोड़ी अड़चन आ सकती है।

तुला। आज खुशियों की दस्तक आपके घर आ सकती है। परिवार में नए सदस्य के आने या शादी-ब्याह की तैयारियों से माहौल खुशनुमा रहेगा। लेकिन हर बात हर किसी से शेयर न करें।कुछ लोग इसका फायदा उठा सकते हैं। दूसरों की बातों में आकर फैसले लेना नुकसानदेह हो सकता है। दिखावे से दूर रहकर सादगी अपनाना ही समझदारी है।

वृश्चिक। आज का दिन खुशी और व्यस्तता दोनों साथ लाएगा। काम का दबाव थोड़ा परेशान करेगा, लेकिन छोटे-छोटे फायदे आपको संतुष्ट रखेंगे। पड़ोस में विवाद जैसी स्थिति बन सकती है, इसलिए शांत रहें। करियर को लेकर लापरवाही बिल्कुल न करें। विद्यार्थियों को मेहनत ज्यादा करनी होगी। प्रॉपर्टी खरीदने या नया वाहन लेने का सपना पूरा हो सकता है। कुछ अनचाहे खर्च सामने आएंगे, लेकिन आप उन्हें संभाल लेंगे।

धनु। आज का दिन आपके लिए सफलता और संतोष लेकर आएगा। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें सफलता जरूर मिलेगी। जीवनसाथी को नई नौकरी मिलने की संभावना है, जिससे घर का माहौल खुशियों से भर जाएगा। दान-पुण्य और धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। हालांकि घरेलू जरूरतों को लेकर थोड़ी चिंता बनी रह सकती है। एक के बाद एक अच्छी खबर आपका इंतजार कर रही है। घर में मांगलिक कार्यक्रम का माहौल बन सकता है।

मकर। आज थोड़ा संभलकर चलने की जरूरत है। जल्दबाजी में लिए फैसले नुकसान करा सकते हैं। पुराने दोस्त से मुलाकात मन को खुशी देगी और दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। लोन मिलने के योग हैं, लेकिन समय और पैसे दोनों का सही प्रबंधन जरूरी है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी और कार्यक्षेत्र में आपकी पहचान मजबूत होगी। घर-परिवार की समस्याओं को सुलझाने का अवसर मिलेगा। पिताजी की सलाह आपके लिए मार्गदर्शक साबित होगी। परिवार में किसी नए मेहमान के आने से खुशियां बढ़ेंगी।

कुंभ। आज बिजनेस में फायदा तो होगा, लेकिन कुछ तकनीकी अड़चनें परेशान कर सकती हैं। अनुभव का सही इस्तेमाल आपको आगे बढ़ाएगा। ससुराल पक्ष से कोई मिलने आ सकता है, लेकिन निजी बातें शेयर करने से बचें। छोटी यात्रा के योग हैं और जीवनसाथी से पारदर्शिता बनाए रखें। कार्यक्षेत्र में टीमवर्क का फायदा मिलेगा और आपकी साख मजबूत होगी। धन-धान्य में वृद्धि के संकेत हैं। हालांकि माताजी की सेहत को लेकर थोड़ा सतर्क रहना होगा। पिताजी की कोई बात आपको थोड़ी खल सकती है।

मीन। आज मेहनत ही आपकी पहचान बनाएगी। दोस्त से मुलाकात और परिवार के साथ समय आपको खुश रखेगा। जीवनसाथी के साथ रोमांटिक पल बिताने का मौका मिलेगा। जरूरत पड़ने पर आर्थिक मदद भी मिल जाएगी। किसी समस्या का समाधान पाने के लिए अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा। कोई बड़ा जोखिम न लें। आसपास के लोगों से तालमेल अच्छा रहेगा और राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में आपकी पहचान मजबूत हो सकती है। नए घर से जुड़े काम की शुरुआत हो सकती है। कोई आपसे धन उधार मांग सकता है। सोच-समझकर फैसला लें। परिवार के साथ समय बिताएं और बेवजह दूसरों के मामलों में दखल देने से बचें।

इचाक मोड़ पर 53.83 करोड़ से बनेगा फ्लाईओवर, 18 महीने में होगा तैयार

हजारीबाग। रांची पटना रोड में इचाक के पास 53.83 करोड की लागत से फ्लाई ओवर का निर्माण होगा। झारखंड में सड़क के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआई) ने इसकी स्वीकृति दे दी है। इसे 18 महीने में पूरा कर लिया जाएगा। 2027 के अंत तक फ्लाईओवर पर गाड़ियां दौड़ने लगेगी। कोलकाता की मान बिल्डर कंपनी इस प्रोजेक्ट को पूरा करेगी। उल्लेखनीय हैं क इसकी काफी दिनों से मांग की जा रही थी। क्योंकि हजारीबाग से बरही जाने के क्रम में इचाक मोड़ आबादी बहुत व्यस्ततम मार्ग होने के कारण दुर्घटनाओं का स्पाट के

रूप में चिह्नित है। इस समस्या से निजात पाने का सिर्फ और सिर्फ फ्लाई ओवर ही समाधान था। इसके साथ केनरी हिल वाइल्डलाइफ के पास सर्विस रोड का भी काम पूरा किया जाएगा ।काम की शुरुआत सर्विस रोड से होगी और यह काम 1 मई से शुरू हो जाएगी।इसके बनने से रांची-पटना मुख्य मार्ग पर यातायात सुविधाजनक हो जाएगी।

इचाक मोड़ में फ्लाईओवर नहीं होने के कारण हर साल डेढ़ सौ से अधिक वाहन दुर्घटनाओं का गवाह बनता है। पिछले 4 महीना का आंकड़ा बता रहा है कि उक्त जगह पर 36 से अधिक वाहन दुर्घटना हुई जिसमे 42 से अधिक लोग घायल हुए इनमें सात लोगों की जान चली गई। अब इस फ्लाईओवर के निर्माण के बाद सर्विस रोड का इस्तेमाल अलग हो जाएगा फिर दुर्घटनाओं पर विराम लग जाएगा। इस योजना को बहुत तेजी से पूरा किया जाएगा । इसकी टेंडर प्रक्रिया भी पूरी हो गई है। कोलकाता का मान बिल्डर कंपनी इस प्रोजेक्ट को पूरा करेगी। अधिकतम 2 साल में इसे पूरा कर लेना है । इसके साथ कैनरी हिल वाइल्डलाइफ सर्विस रोड का भी निर्माण होगा । प्रोजेक्ट की शुरुआत 1 मई से सर्विस रोड से होगी।ट्ट मनोज कुमार पांडेय, एनएचआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर

परियोजना के तहत केवल फ्लाईओवर ही नहीं बल्कि इचाक में सर्विस रोड और हजारीबाग बाईपास क्षेत्र में स्लिप रोड का भी निर्माण किया जाएगा। इससे स्थानीय निवासियों और लंबी दूरी के यात्रियों को जाम की समस्या से निजात मिलेगी।प्राधिकरण का मानना है कि यह फ्लाईओवर न केवल यात्रा को सुरक्षित बनाएगा बल्कि क्षेत्र में औद्योगिक और सामाजिक विकास को भी गति प्रदान करेगा।

डी-डुप्लिकेशन सिस्टम शुरू, 5 किलो सिलेंडर पर 1 मई से आधार अनिवार्य

रांची। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 5 किलो वाले छोटे गैस सिलेंडर (एफटीएल) को लेकर नए नियम लागू किए हैं। इसका मकसद सिलेंडर की सप्लाई बंद करना नहीं, बल्कि दुरुपयोग रोकना है। मंत्रालय के निर्देश के अनुसार, एक मई से एफटीएल सिलेंडर लेने के लिए उपभोक्ता का आधार नंबर या मोबाइल नंबर देना अनिवार्य होगा।

साथ ही सिस्टम में डी-डुप्लिकेशन व्यवस्था लागू की जाएगी, जिससे यह जांच हो सके कि कोई व्यक्ति कम समय में बार-बार सिलेंडर तो नहीं ले रहा है। नए नियमों के तहत आधार प्रमाणीकरण सफल होने के बाद ही सिलेंडर जारी किया जाएगा। फिलहाल यह जांच एक ही कंपनी आईओसीएल के भीतर की जाएगी। इससे यह सुनिश्चित

किया जाएगा कि जरूरतमंद लोगों, जैसे प्रवासी मजदूर और छात्र, को ही प्राथमिकता मिले। गैस एजेंसियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि पहले से लंबित सभी बुकिंग को तुरंत सिस्टम में पूरा करें। स्पष्ट है कि छोटे सिलेंडर की सप्लाई जारी रहेगी, लेकिन अब इसे लेने के लिए पहचान से जुड़ी प्रक्रिया का पालन करना जरूरी होगा। यह जानकारी इंडेन के गैस एजेंसियों ने दी।

रांची की गैस एजेंसियों ने कहा कि इस नियम के लागू होने से रिकॉर्ड मेंटेन रहेगा। साथ ही कोई भी गैस का दुरुपयोग नहीं कर पाएगा और जरूरतमंदों को ही गैस मिलेगी। इससे पहले लोग कोई भी आईडी प्रूफ दिखाकर सिलेंडर ले रहे थे, अब आधार कार्ड जरूरी रहेगा, जिसे रिकॉर्ड में रखना होगा। एजेंसियों ने कहा कि पहले एक ही ग्राहक का मल्टीपल कनेक्शन हो जाता था, क्योंकि वे अलग-अलग आईडी प्रूफ से कनेक्शन ले लेते थे।

सीएम ने आईसीयू में मरीजों से जानकारी ली, लापरवाही न हो निर्देश

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय में स्वास्थ्य और भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा सुविधाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर मंथन हुआ। बैठक में ही सीएम ने जिलों के डॉक्टरों से ऑनलाइन जुड़कर आईसीयू में भर्ती मरीजों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने इलाज की गुणवत्ता की भी समीक्षा की। इस दौरान सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गंभीर मरीजों के इलाज में किसी तरह की लापरवाही न हो। उन्हें सभी जरूरी संसाधन समय पर उपलब्ध कराए जाएं। कहा कि मरीजों को बेहतर और समय पर इलाज उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

रिम्स-2 प्रोजेक्ट पर भी फोकस: बैठक में सीएम ने रिम्स-2 बिल्डिंग परियोजना की प्रगति व उसकी संरचना का विस्तार से अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भवन को और अधिक मजबूत, आधुनिक और मरीज फ्रेंडली बनाया जाए। साथ ही अस्पताल परिसर में सुविधाओं का विस्तार इस तरह किया जाए, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

'मिनी सचिवालय' प्रशासनिक जरूरतों के अनुरूप विकसित हो: सीएम ने भवन निर्माण विभाग के साथ प्रस्तावित 'मिनी सचिवालय' परियोजना पर भी चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिया कि इस परियोजना को आधुनिक प्रशासनिक जरूरतों के अनुरूप विकसित किया जाए, ताकि भविष्य की आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखा जा सके।

स्टेट कंसल्टेंट का गुमला दौरा, स्कूली बच्चों को जल संरक्षण के प्रति किया जागरूक

गुमला। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के तत्वावधान में संचालित जल पखवाड़ा के अंतर्गत राज्य स्तर से गतिविधियों की मॉनिटरिंग व प्रोत्साहन के क्रम में स्टेट कंसल्टेंट गौरव वर्मा द्वारा गुमला जिले का भ्रमण किया गया। इस दौरान उन्होंने पीएमश्री उच्च विद्यालय सिसई का दौरा कर बाल संसद की बैठक में भाग लिया व बच्चों से संवाद करते हुए बाल संसद के सभी सदस्यों के कार्य एवं दायित्वों पर परिचर्चा की। साथ ही उनके द्वारा जल संरक्षण, जल के समुचित उपयोग व पर्यावरण संतुलन के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने बच्चों को दैनिक जीवन में जल बचाने के सरल उपाय अपनाने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। जिला भ्रमण के क्रम में उनके द्वारा डीईओ कविता खलखो, डीएसई नूर आलम खां व

डायट प्राचार्य प्रियाश्री भगत के साथ औपचारिक मुलाकात कर गुमला जिले में बाल संसद व इको क्लब क्रियाशीलता, जल पखवाड़ा के संचालन, विभिन्न विभागीय गतिविधियों व विद्यालय स्तर पर किए जा रहे नवाचारों पर विस्तृत परिचर्चा की गई। जल पखवाड़ा गतिविधि अंतर्गत आज जिले के सभी विद्यालयों में बाल संसद से संबंधित शैक्षणिक वीडियो का प्रदर्शन किया गया। इसके उपरांत बाल संसद एवं इको क्लब की बैठक आयोजित कर बच्चों को उनके कार्य, दायित्व व नेतृत्व भूमिका के संबंध में विस्तार से जागरूक किया गया तथा विद्यार्थियों को विद्यालय और समुदाय में जल संरक्षण एवं पर्यावरण सुरक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर गौरव वर्मा ने अपने संदेश में कहा कि जल एवं पर्यावरण हमारे जीवन के आधार हैं। जल पखवाड़ा का उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि बच्चों एवं समाज में स्थायी व्यवहार परिवर्तन लाना है। इस पखवाड़े के आयोजन से पूरे राज्य में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ी है व गुमला जिले के बच्चों ने जिस उत्साह और जिम्मेदारी के साथ इन गतिविधियों में भाग लिया है, वह अत्यंत सराहनीय है। डीईओ कविता खलखो ने कहा कि विद्यालय स्तर पर आयोजित गतिविधियों जैसे बाल संसद, विभिन्न प्रतियोगिताएं, जागरूकता कार्यक्रम व सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से बच्चों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह पहल भविष्य में जल संकट से निपटने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

गोंदा डैम पानी गंदा, कई लोग बीमार, कई क्षेत्रों में संकट

रांची। कांके (गोंदा) डैम से कांके रोड, पहाड़ी मंदिर समेत कई इलाकों में पिछले कई दिनों से गंदे और बदबूदार पानी की सप्लाई की जा रही है। नाराज उपभोक्ताओं ने दैनिक भास्कर को गंदे पानी की तस्वीरें भेजकर समस्या की गंभीरता बताई। भास्कर ने जब इसकी पड़ताल की तो पानी मटमैला मिला। पानी में मरी हुई मछली जैसी बदबू आ रही थी। गंदे पानी के सेवन से इलाके के लोग पेट की बीमारियों से ग्रसित हो गए हैं। कांके डैम से जितने इलाकों में पानी की सप्लाई हो रही है, पूरे इलाके के लोग गंदे और बदबूदार पानी की शिकायत कर रहे हैं। पहाड़ी मंदिर टंकी से जुड़े इलाकों पहाड़ी मंदिर, कैलाश नगर, महुआ टोली, जयप्रकाश नगर और आसपास के क्षेत्रों में पानी का रंग काई की तरह का है। गोंदा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से पानी के फिल्ट्रेशन में किसी तरह की कमी या गड़बड़ी नहीं है। हर दिन पानी की जांच के बाद ही सप्लाई की जाती है। समस्या डिस्ट्रीब्यूशन पाइपलाइन में लीकेज या फिर उपभोक्ताओं के वाटर कनेक्शन पाइप में खराबी के कारण हो रही है। मामले की जांच कराकर वास्तविक कारण का पता लगाया जाएगा। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव अबु इमरान, अभियंता प्रमुख निरंजन कुमार और चीफ इंजीनियर मो रेयाज आलम रांची की शहरी जलापूर्ति की स्थिति को देखने शहर के तीनों वाटर ट्रीटमेंट प्लांट पहुंचे। इन्होंने तीनों रुक्का, गोंदा और हटिया वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को देखा और आवश्यक निर्देश दिए। सचिव ने शहर के गोंदा और रुक्का जलाशयों में आने गंदे पानी को रोकने के लिए तीनों कार्यपालक अभियंता, उपायुक्त, रांची से समन्वय स्थापित कर समुचित करवाई करेंगे ताकि लोगों को शुद्ध जलापूर्ति हो सके।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

		8	2		9	1		
			6		5			
4								9
6	5			9			8	4
			5		7			
7	8			6			9	5
8								3
			7		8			
		3	9		1	8		

पिछले अंक का उत्तर

5	3	8	2	7	9	1	4	6
1	7	9	6	4	5	2	3	8
4	2	6	8	1	3	5	7	9
6	5	1	3	9	2	7	8	4
3	9	4	5	8	7	6	1	2
7	8	2	1	6	4	3	9	5
8	1	7	4	2	6	9	5	3
9	6	5	7	3	8	4	2	1
2	4	3	9	5	1	8	6	7

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

पहली बार एक से 15 मई तक लोग कर सकेंगे स्व गणना

हजारीबाग। भारत की आगामी जनगणना 2027 को लेकर जिले में तैयारियां तेज हो गई हैं। बुधवार को समाहरणालय भवन स्थित जिला जनसंपर्क कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपायुक्त हेमन्त सती ने जनगणना के प्रथम चरण की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए इसे विकास की दिशा तय करने वाला सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान बताया। उपायुक्त ने बताया कि झारखण्ड में जनगणना का पहला चरण 16 मई 2026 से 14 जून 2026 तक संचालित होगा, जिसके तहत मकान सूचीकरण और मकानों की गणना की जाएगी। इससे पहले नागरिकों की सुविधा के लिए 1 मई से 15 मई तक स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की विशेष व्यवस्था शुरू की जा रही है। लोग निर्धारित पोर्टल पर जाकर स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। प्रशासन ने नागरिकों से इस सुविधा का अधिकाधिक उपयोग करने की अपील की है, ताकि प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और सटीक बन सके। इसमें मकान की स्थिति, मोबाइल-वाहन जैसी सुविधाएं और परिवार की बुनियादी सामाजिक-आर्थिक स्थिति से जुड़ी जानकारियां शामिल होंगी।

बारिश में धुला बांग्लादेश-न्यूजीलैंड दूसरा टी20 मैच : चट्टोग्राम में टॉस भी नहीं हो सका; मेजबान टीम 1-0 से आगे

चट्टोग्राम। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाने वाला दूसरा टी20 मुकाबला बुधवार को लगातार हो रही बारिश की भेंट चढ़ गया।

खराब मौसम के चलते मैच में टॉस तक नहीं हो सका और अंपायरों ने खेल को बिना कोई गेंद फेंके रद्द करने का फैसला किया। इस मैच के धुलने के साथ ही तीन मैचों की सीरीज में मेजबान बांग्लादेश ने 1-0 की अजेय बढ़त बना ली है। मेजबान टीम ने पहला मैच 6 विकेट से जीता था। अब दोनों टीमों के बीच तीसरा और निर्णायक मुकाबला शनिवार को मीरपुर में खेला जाएगा। टी20 सीरीज से पहले हुई वनडे सीरीज में भी बांग्लादेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 2-1 से मात दी थी।

प्लेयर्स ने इनडोर नेट प्रैक्टिस की

चट्टोग्राम के कई हिस्सों में पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। दोनों टीमें मैदान पर पहुंची जरूर थीं, लेकिन खिलाड़ियों को केवल इनडोर नेट सेशन में ही अभ्यास करने का मौका मिल सका।

बारिश ने नहीं दिया खेल का मौका

चट्टोग्राम में सुबह से ही रुक-रुक कर बारिश हो रही थी, जो मैच के समय और तेज हो गई। मैदान कर्मियों ने पिच को कवर्स से ढंक कर रखा था, लेकिन आउटफील्ड गीली होने और बारिश न रुकने के कारण खेल संभव नहीं हो सका। फैंस को एक रोमांचक मुकाबले की उम्मीद थी, लेकिन कुदरत के आगे किसी की नहीं चली।

सीरीज में बांग्लादेश की बढ़त बरकरार

सीरीज का पहला मैच 27 अप्रैल को इसी मैदान पर खेला गया था, जिसे बांग्लादेश ने 6 विकेट से जीता था। उस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने 182 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया था, लेकिन तौहीद हृदय और शमीम हुसैन की शानदार बल्लेबाजी के दम पर बांग्लादेश ने अपने घर में टी-20 इतिहास का सबसे बड़ा सफल रन चेज किया। अब सीरीज का फैसला 2 मई को ढाका में होने वाले तीसरे और आखिरी मैच से होगा।

ढाका के मौसम पर भी मंडरा रहे बादल

सीरीज का आखिरी मुकाबला खेलने के लिए दोनों टीमें गुरुवार को ढाका रवाना होंगी। हालांकि, क्रिकेट फैंस के लिए चिंता की बात यह है कि अगले पूरे हफ्ते ढाका में भी भारी बारिश और आंधी-तूफान का पूर्वानुमान जताया गया है। अगर वहां भी मौसम खराब रहता है, तो सीरीज के परिणाम पर असर पड़ सकता है। मेजबान टीम फिलहाल सीरीज जीतने की प्रबल दावेदार नजर आ रही है।

पाकिस्तान सीरीज से पहले कड़ी चुनौती

न्यूजीलैंड के खिलाफ इस सीरीज के तुरंत बाद बांग्लादेशी खिलाड़ियों को बिल्कुल आराम नहीं मिलेगा। 8 मई से पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू होने वाली है। ऐसे में टीम के कुछ प्रमुख खिलाड़ी टी20 फॉर्मेट से सीधे लंबे फॉर्मेट में कदम रखेंगे। लगातार क्रिकेट और खराब मौसम के बीच खिलाड़ियों की फिटनेस और तैयारी को बनाए रखना टीम मैनेजमेंट के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो रहा है।

डब्ल्यूएफआई-विनेश फोगाट में अब किस बात को लेकर हुआ विवाद? संजय सिंह ने खारिज किया भारतीय पहलवान का दावा

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) और विनेश फोगाट के बीच एक बार फिर विवाद हो गया है। इस बार विनेश ने डब्ल्यूएफआई पर अगले महीने होने वाले नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेने से रोकने का आरोप लगाया है।

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह ने दिग्गज पहलवान विनेश फोगाट के इस दावे को खारिज कर दिया कि महासंघ उन्हें अगले महीने होने वाले नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेने से रोक रहा है। संजय सिंह ने कहा कि उनका रजिस्ट्रेशन पहले ही पूरा हो चुका है। वह बेवजह यह मुद्दा क्यों बना रही हैं। सीनियर ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट 10 से 12 मई तक उत्तर प्रदेश के गोंडा स्थित नंदिनीनगर महाविद्यालय में होना है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 30 अप्रैल है।

विनेश ने लगाए थे रजिस्ट्रेशन नहीं कर पाने के आरोप

विनेश ने आरोप लगाया था कि वह इस प्रतियोगिता के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं कर पा रही हैं, क्योंकि भारतीय कुश्ती महासंघ पोर्टल पर दिखा रहा है कि रजिस्ट्रेशन बंद हो चुके हैं और महासंघ प्रशासन उनके फोन कॉल का जवाब नहीं दे रहा है। समाचार एजेंसी आईएएनएस के अनुसार, भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने विनेश के दावों को गलत बताते हुए उनकी रजिस्ट्रेशन की एक कॉपी विशेष रूप से साझा की।

संजय सिंह ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, विनेश फोगाट का रजिस्ट्रेशन पहले ही पूरा हो चुका है। वह बेवजह हंगामा क्यों कर रही हैं? हमने किसी भी पहलवान को हिस्सा लेने से नहीं रोका है। उन सभी का तहे दिल से स्वागत है। मीडिया से बात करने के बजाय, उन्हें कुश्ती पर ध्यान देना चाहिए। अब तक 800 पहलवानों ने रजिस्ट्रेशन कराया है और किसी ने भी किसी तरह की दिक्कत की शिकायत नहीं की है।

20 महीने बाद वापसी की तैयारी में विनेश

विनेश ने पेरिस ओलंपिक 2024 से अयोग्य घोषित होने के कुछ ही घंटों बाद संन्यास की घोषणा कर दी थी। हालांकि, बाद में उन्होंने संन्यास लेने का अपना फैसला बदल लिया था और अब करीब 20 महीने बाद वापसी की तैयारी कर रही हैं। फरवरी में इस पहलवान ने हरियाणा कुश्ती संघ के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर की थी और आगामी फेडरेशन कप 2026 के लिए चयन के मानदंडों की आलोचना की थी, जिन्हें उन्होंने अनुचित करार दिया था।

ओलंपिक में टूटा था पदक का सपना

विनेश ने पेरिस में इतिहास रचते हुए ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनने का गौरव हासिल किया था।

मुंह ढककर लड़ोगे तो सीधा रेड कार्ड! फीफा विश्वकप से पहले खिलाड़ियों की चालाकी पर कसा शिकंजा

स्पोर्ट्स डेस्क। फुटबॉल में खिलाड़ियों के व्यवहार पर लगाम लगाने के लिए नया बड़ा नियम लागू किया गया है। अब बहस के दौरान मुंह ढककर बात करने पर खिलाड़ी को लाल कार्ड मिल सकता है। साथ ही विश्व कप 2026 के लिए पीले कार्ड नियमों में भी बदलाव किया गया है।

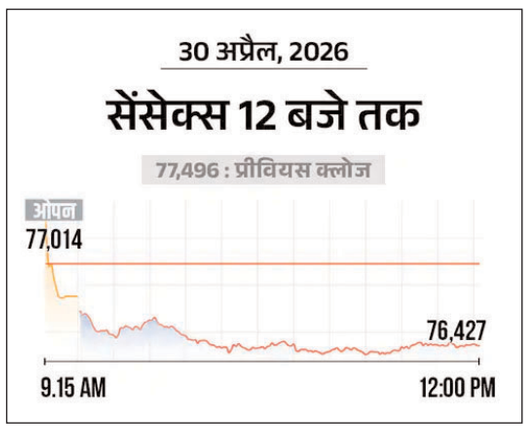

विश्व फुटबॉल की नियम निर्धारक संस्था इंटरनेशनल फुटबॉल एसोसिएशन बोर्ड (ढ्ढस्नक्च) ने बड़ा फैसला लेते हुए नया नियम मंजूर किया है। अब अगर कोई खिलाड़ी विरोधी खिलाड़ी से बहस के दौरान अपना मुंह ढककर बात करता है, तो उसे सीधे लाल कार्ड दिखाया जा सकता है। यह फैसला वैंकूवर में हुई बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। नया नियम 11 जून से शुरू होने वाले विश्व कप 2026 में लागू होगा। विनीसियस जूनियर विवाद के बाद फैसला यह नियम उस विवाद के बाद सामने आया है जिसमें रियल मैड्रिड स्टार विनीसियस जूनियर ने फरवरी में चैंपियंस लीग मैच के दौरान बेनफिका के जियानलुका प्रेस्टियानी पर मुंह ढककर नस्लीय टिप्पणी करने का आरोप लगाया था। इस मामले में यूईएफए ने प्रेस्टियानी पर छह मैचों का प्रतिबंध लगाया था। यदि वह अर्जेंटीना की विश्व कप टीम में चुने जाते हैं, तो शुरुआती मैचों से बाहर रह सकते हैं।

आईएफएबी ने क्या कहा?

आईएफएबी ने अपने बयान में कहा, 'किसी विरोधी खिलाड़ी के खिलाफ बहस के दौरान मुंह ढकने वाले किसी भी खिलाड़ी को लाल कार्ड से दंडित किया जा सकता है।' इस बयान के बाद साफ हो गया है कि फुटबॉल में अब गुप्त बातचीत या अपमानजनक टिप्पणी छिपाने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मैदान छोड़ने पर भी मिलेगी सजा आईएफएबी ने एक और बड़ा नियम लागू किया है। अब यदि कोई खिलाड़ी रेफरी के फैसले के विरोध में मैदान छोड़ता है,।

'पीएम मोदी के साथ फुटबॉल खेलने का अनुभव रोमांचक, कभी न भूलने वाला', बोले युवा खिलाड़ी

स्पोर्ट्स डेस्क। सिक्किम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ फुटबॉल खेलने वाले युवा खिलाड़ियों ने इसे रोमांचक और यादगार अनुभव बताया। खिलाड़ियों ने कहा कि पीएम मोदी के साथ मैदान पर उतरना उनके लिए गर्व की बात थी और यह पल वे कभी नहीं भूल पाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार की सुबह गंगटोक में लोक भवन में 17 युवा फुटबॉलरों के साथ फुटबॉल खेला था। पीएम ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से युवा खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए अपनी कुछ तस्वीरें भी साझा की थीं। इसके अलावा, पीएम ने खिलाड़ियों से खेल को गंभीरता से लेने और ओलंपिक में खेलने के लिए कड़ी मेहनत करने की सलाह दी थी। प्रधानमंत्री से मिलने के बाद सभी युवा खिलाड़ी काफी उत्साहित और खुश नजर आए। खिलाड़ियों ने पीएम के साथ बिताए लम्हों को कभी न भूलने वाला बताया।

प्रीकिला तमांग ने आईएएनएस से कहा, 'हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ फुटबॉल खेलने का अवसर प्राप्त हुआ। यह हमारे लिए बहुत सम्मान की बात है। हम बहुत खुश हैं और खुद को सौभाग्यशाली समझते हैं। हम 17 खिलाड़ियों और एक रेफरी के लिए यह जिंदगी में एक बार आने वाला अवसर था। हम इसे जिंदगी में कभी नहीं भूलेंगे।'

तमांग ने कहा कि मैं अपने राज्य के मुख्यमंत्री, खेल मंत्रालय और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को आयोजित करने में शामिल सभी अधिकारियों को धन्यवाद देना चाहती हूं कि हमें यह अवसर मिला। ईशान मांझी ने आईएएनएस से कहा, 'प्रधानमंत्री के साथ खेलने का अनुभव शानदार रहा। उनके साथ समय बिताने का मौका बड़े-बड़े लोगों को नहीं मिलता है। हम सौभाग्यशाली रहे कि हमें मिला। हम भविष्य में फुटबॉल में देश का ओलंपिक प्रतिनिधित्व करेंगे।'

दीपन राय ने कहा, 'मैं अपने मुख्यमंत्री को धन्यवाद कहना चाहता हूं। उन्हीं की वजह से हमें प्रधानमंत्री से मिलने और उनके साथ एक छोटा सा मैच खेलने का अवसर मिला। प्रधानमंत्री का व्यवहार हमारे साथ मित्रतापूर्ण था। 75 साल की उम्र में उनकी ऊर्जा हमें प्रेरणा देने वाली थी।'

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स में 1000 अंक की गिरावट:76,300 पर कारोबार कर रहा, निफ्टी भी 350 अंक टूटा; ऑटो और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा बिकवाली

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 30 अप्रैल को गिरावट है। सेंसेक्स 1000 अंक से ज्यादा की गिरावट के साथ 76,300 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 350 अंक की गिरावट है, ये 23,800 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। ऑटो, मेटल, बैंकिंग और रियल्टी शेयर्स में ज्यादा गिरावट है।

जियोपॉलिटिकल तनाव और जंग जैसी स्थिति में महंगाई बढ़ने का खतरा रहता है। इससे कंपनियों का मुनाफा कम हो सकता है। ऐसे में निवेशक अपने शेयर बेचना शुरू कर देते हैं और सुरक्षित जगह निवेश करते हैं। इससे बाजार में गिरावट आती है।

बाजार गिरने की 3 मुख्य वजहें

ईरान-इजराइल युद्ध से सप्लाई चेन बिगड़ने का डर।

कच्चे तेल के दाम बढ़ने से भारत का इंपोर्ट बिल और महंगाई बढ़ेगी।

अमेरिका और एशियाई बाजारों में गिरावट का असर भारत पर।

एशियाई बाजार में आज गिरावट

ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल के पार

ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गई हैं। 2022 के बाद पहली बार कच्चा तेल 120 डॉलर डॉलर के पार निकला है। बाजार में तेल की मजबूत डिमांड और 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' को लेकर चिंता बढ़ी है जिस वजह से ये तेजी आई है।

सोना 2404 गिरकर 1.49 लाख पर आया:ऑलटाइम हाई से 27 हजार सस्ता हो चुका; चांदी में आज 7179 की गिरावट

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 28 अप्रैल को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,404 रुपए घटकर 1.49 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले सोमवार को यह 1.51 लाख पर था।

वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 7,179 रुपए घटकर 2.37 लाख रुपए रह गई। चांदी की कीमत कल यानी 27 अप्रैल को 2.43 लाख रुपए थी।

सोना ऑल टाइम हाई से 27 हजार सस्ता हुआ

साल की शुरुआत में सोने में तेजी थी, लेकिन हाल के हफ्तों में मुनाफावसूली और ईरान जंग से गिरावट आई है।

चांदी में क्रैशः 3.86 लाख से 2.37 लाख तक

चांदी में सोने के मुकाबले ज्यादा उतार-चढ़ाव रहा और यह ऑल टाइम हाई से तेजी से नीचे आई है। शुरुआती स्तर (31 दिसंबर 2025): ?2.30 लाख ऑल टाइम हाई (29 जनवरी 2026): ?3.86 लाख

गिरावट का आंकड़ा: पिछले 89 दिन में चांदी ?1.49 लाख गिरकर ?2.37 लाख/किलो पर आई।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें।

16 बार की चैंपियन चीन से भारत को मिली हार, उबेर कप बैडमिंटन में समाप्त हुआ सफर; सिंधू ने किया निराश

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय महिला टीम का उबेर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया है। भारत को चीन के खिलाफ एकतरफा अंदाज में हार मिली। इस मुकाबले में पीवी सिंधू खुद को मिले मौके का फायदा नहीं उठा सकीं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू मजबूत स्थिति में होने का फायदा नहीं उठा पाईं, जबकि अन्य खिलाड़ियों ने भी महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया जिससे भारत उबेर कप में चीन से 0-5 से हारकर इस बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गया। भारतीय महिला टीम ने मेजबान डेनमार्क से 2-3 की हार के साथ शुरुआत की थी, लेकिन उसके बाद उसने यूक्रेन पर 4-1 से जीत हासिल करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीद बनाए रखी थी।

चीन से गंवाए हैं पिछले तीन मुकाबले

उबेर कप में 16 बार के चैंपियन चीन से भारत को पिछले तीनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। सिंधू ने भारत की

तरफ से शुरुआत की, जबकि उन्नति हुडा और तन्वी शर्मा की जगह अन्य दो एकल मुकाबलों के लिए ईशारानी बरुआ और देविका सिहाग को टीम में शामिल किया गया। सिंधू निर्णायक सेट में 18-12 से आगे थीं, लेकिन आखिर में वह विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी वांग झियी से 16-21, 21-19, 19-21 से हार गईं। इससे चीन ने सोमवार को ग्रुप ए के इस महत्वपूर्ण मुकाबले में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली।

प्रिया कोंजेंगबम और श्रुति मिश्रा पहले युगल मुकाबले में विश्व की नंबर एक जोड़ी लियू शेंग शू और टैन निंग के सामने नहीं टिक पाईं और 11-21, 8-21 से हार गईं। ईशारानी बरुआ ने टोक्यो ओलंपिक चैंपियन चेन युफेई के सामने कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन विश्व में 38वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी ने पहले गेम में 20-19 पर एक आसान मौका गंवा दिया।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

जनजातीय उत्थान पर बड़ा फोकस: नक्सल मुक्त क्षेत्रों में तेज़ होगा विकास, 'नियद नेल्ला नार 2.0' जल्द

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय, महानदी भवन में आयोजित छत्तीसगढ़ जनजातीय सलाहकार परिषद की बैठक में जनजातीय समुदाय के सर्वांगीण विकास को लेकर व्यापक चर्चा की गई और अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर, जो भौगोलिक रूप से केरल से भी बड़ा क्षेत्र है, दशकों तक विकास से वंचित रहा, लेकिन अब वहां योजनाओं का तीव्र विस्तार हो रहा है और विकास की नई धारा स्थापित हो रही है।

मुख्यमंत्री ने जनजातीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए देवगुड़ी और सरना स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही अवैध अतिक्रमण को रोकने के लिए प्रभावी और कड़े कदम उठाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि 'धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना' के माध्यम से प्रदेश के 6600 गांवों में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं सुदृढ़ की जा रही हैं, जबकि पीएम जनमन योजना के अंतर्गत 32 हजार आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं।

बैठक में 'नियद नेल्ला नार योजना' की उल्लेखनीय सफलता पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने इसके अगले चरण के रूप में 'नियद नेल्ला नार 2.0' को शीघ्र लागू करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस उन्नत पहल के माध्यम से सुदूर अंचलों में बिजली, पानी, सड़क और राशन जैसी मूलभूत सुविधाओं का और अधिक विस्तार किया जाएगा। इसके साथ ही 'मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर योजना' के तहत 36 लाख लोगों की स्वास्थ्य जांच का कार्य निरंतर प्रगति पर है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जनजातीय भूमि के दीर्घकालीन लीज पर दोहन के मामलों की जांच के निर्देश दिए। साथ ही कोरवा और संसारी उरांव जातियों को अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल किए जाने के प्रस्ताव को शीघ्र केंद्र सरकार को प्रेषित करने के निर्देश भी दिए। शिक्षा और आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने

के उद्देश्य से मुख्यमंत्री श्री साय ने छात्रावासों की सीट वृद्धि, उनके बेहतर रखरखाव तथा शिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने नक्सल मुक्त क्षेत्रों में बच्चों के लिए त्वरित शिक्षण व्यवस्था विकसित करने और खुले में कक्षाएं संचालित न करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

अम्बिकापुर नेशनल हाईवे के निर्माण में हो रही धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही बरसात के दौरान कटने वाले मार्गों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। आदिम जाति विकास विभाग के मंत्री एवं परिषद के उपाध्यक्ष रामविचार नेताम ने कहा कि बस्तर, सरगुजा सहित प्रदेश के दूरस्थ जनजातीय अंचलों में लंबे समय तक नक्सलवाद विकास की सबसे बड़ी बाधा बना रहा। बीते चार दशकों की इस चुनौती से मुक्ति मिलने के बाद अब इन क्षेत्रों में जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी एवं तेज क्रियान्वयन संभव हो सका है, जिसका सीधा लाभ स्थानीय लोगों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि अब जनजातीय समुदाय तेजी से विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहा है और उन्हें आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। श्री नेताम ने यह भी बताया कि नक्सलवाद के खात्मे के बाद योजनाओं का जमीनी स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित हुआ है। सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए स्वीकृत योजनाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से संवेदनशील मुद्दों का त्वरित एवं प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के बसाहटों तक अब बिजली, पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंच रही हैं। साथ ही नए छात्रावासों के निर्माण से दूरस्थ क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का बेहतर अवसर मिल रहा है, जिससे उनके समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, वनमंत्री श्री केदार कश्यप, बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष सुश्री लता उसेंडी, सरगुजा क्षेत्र विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष श्रीमती गोमती साय, मध्य क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री प्रणव मरपच्ची, विधायक श्रीमती रायमुनी भगत, विधायक श्री चैतराम अटामी, विधायक श्री विक्रम उसेंडी, विधायक श्रीमती उद्देश्वरी पैकरा, विधायक श्री नीलकंठ टेकाम, विधायक श्री आशाराम नेताम, मुख्य सचिव श्री विकासशील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा, पुलिस महानिदेशक श्री अरुण देव गौतम सहित विभिन्न विभागों के सचिव एवं परिषद के सदस्य उपस्थित थे।

झाड़ू लगाने वाली की बेटी 12वीं की टॉपर : बैंकर बनना चाहती है मानसी, पिता चल बस

रायपुर। परिजनों ने बेटी को मिठाई खिलाकर खुशियां बांटी। भास्कर की टीम पहुंची तो चूल्हे पर खाना बना रही थी मानसी।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की 12वीं बोर्ड परीक्षा 2026 के नतीजे जारी हो गए हैं। रायपुर जिले के मंदिर हसौद की रहने वाली मानसी टंडन ने 12वीं(कॉमर्स) की टॉप-10 लिस्ट में जगह बनाई है। मानसी की मां सफाई मित्र हैं वे, रायपुर की सड़कों पर झाड़ू लगाने का काम करती हैं।

मानसी टंडन के घर पहुंची, तो वहां किसी जश्न का शोर नहीं था। एक साधारण घर, रोजमर्रा की जिम्मेदारियों में व्यस्त परिवार और घर के बारमदे में चूल्हे के सामने खाना बनाती एक बेटी, यही थी प्रदेश की टॉप-10 में जगह बनाने वाली मानसी, जिसने 96.40% अंक हासिल किया है।

मानसी उस समय घर के काम में जुटी थीं। चूल्हे पर खाना बनाते हुए भी उसकी आंखों में भविष्य के बड़े सपने साफ नजर आ रहे थे।

मां सड़कों पर झाड़ू लगाती है

मानसी की मां नंदिनी नगर पालिका में सफाई मित्र हैं। वे सुबह सड़कों पर झाड़ू लगाकर परिवार चलाती हैं, उनकी सैलरी 9 हजार रुपए है। 3 साल पहले मानसी के पिता का निधन हो गया था, उस वक्त मानसी 10वीं में थीं।

पिता के जाने के बाद पांच बेटियों की जिम्मेदारी मां के कंधों पर आ गई। आर्थिक संकट के बावजूद उन्होंने बेटियों की पढ़ाई नहीं रुकने दी। आज उनकी इसी मेहनत का परिणाम है कि मानसी ने टॉप 10 में अपनी जगह बनाई है।

इंटरनेट और से भी ली मदद

मानसी ने कहा कि रिजल्ट देखकर बहुत खुश हूं। उम्मीद नहीं थी मैं टॉप करूंगी, लेकिन 90 से ज्यादा प्रतिशत लाने का मैंने टारगेट रखा था।

छत्तीसगढ़ में गर्मी का प्रकोप जारी, 5 दिनों तक आंधी-बारिश का अलर्ट, जल्द मिल सकती है राहत

रायपुर। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में मौसम के मिजाज में बदलाव के संकेत दिए हैं। विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों में तापमान में हल्की गिरावट के साथ आंधी और बारिश की संभावना

छत्तीसगढ़ में इन दिनों भीषण गर्मी का असर जारी है, जहां तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस के पार बना हुआ है। हालांकि मौसम विभाग ने आगामी दिनों में मौसम के मिजाज में बदलाव के संकेत दिए हैं। विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों में तापमान में हल्की गिरावट के साथ आंधी और बारिश की संभावना है, जिससे लोगों को तपती गर्मी से आंशिक राहत मिल सकती है।

तापमान का हाल-राजनांदगांव सबसे गर्म

पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव दर्ज नहीं किया गया। राजनांदगांव 44 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म स्थान रहा। वहीं राजधानी रायपुर में अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से अधिक है। न्यूनतम तापमान की बात करें तो जगदलपुर में 25.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

प्रमुख शहरों का तापमान

प्रदेश के प्रमुख शहरों में भी गर्मी का असर साफ दिखाई दे रहा है। माना एयरपोर्ट में अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि बिलासपुर और दुर्ग में 42.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। वहीं अंबिकापुर में भी पारा 41.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे लोगों को दिनभर तेज गर्मी का सामना करना पड़ा।

छत्तीसगढ़ में 2030 तक 42 लाख घरों में पाइपलाइन से गैस पहुंचाने का लक्ष्य, कैबिनेट ने दी मंजूरी

रायपुर। पाइपलाइन से गैस देने में बहुत से शासकीय और निजी जमीन का उपयोग होगा। इस काम को जल्द कराने के लिए नीति में कई प्रावधान किए गए हैं। इसके लिए सिंगल विंडो सिस्टम बनाया गया है।

छत्तीसगढ़ में पाइपलाइन से पहुंचेगी गैस

छत्तीसगढ़ में 2030 तक 42 लाख घरों में पाइपलाइन से गैस पहुंचाने का लक्ष्य लेकर सरकार ने काम शुरू कर दिया है। इसके साथ ही 1100 सीएनजी स्टेशन की शुरुआत होगी। इसके लिए छत्तीसगढ़ को 7 जोन में बांटा गया है। इसका लक्ष्य हासिल करने के लिए बुधवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में छत्तीसगढ़ शहरी गैस वितरण नीति 2026 को मंजूरी दी गई। इस नीति के माध्यम से प्रदेश में स्वच्छ एवं सस्ती प्राकृतिक गैस की उपलब्धता तय हो सकेगी और आम उपभोक्ताओं को एलपीजी की तुलना में किफायती विकल्प मिलेगा।

इस नीति से पाइपलाइन के माध्यम से गैस की त्वरित और सुगम आपूर्ति का विस्तार होगा। इससे शहरी क्षेत्रों में सुविधाजनक ईंधन व्यवस्था विकसित होगी। इस पहल से स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। ईंधन उपयोग में विविधता आएगी और राज्य में पाइपलाइन अधोसंरचना के विकास के साथ बड़े पैमाने पर निवेश एवं रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। राज्य सरकार का यह निर्णय पर्यावरण संरक्षण और जनसुविधा, दोनों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बाजार मूल्य की 10 फीसदी राशि

दरअसल, पाइपलाइन से गैस देने में बहुत से शासकीय और निजी जमीन का उपयोग होगा। इस काम को जल्द कराने के लिए नीति में कई प्रावधान किए गए हैं। इसके लिए सिंगल विंडो सिस्टम बनाया गया है। इस काम में तेजी आएगी। इसके अलावा जिनकी जमीन से पाइपलाइन जाएगी, उन्हें भी मुआवजा दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, इस नीति में बाजार मूल्य की 10 फीसदी राशि मुआवजा के रूप में देने की बात सामने आई है।

सेवानिवृत्त तीन आईपीएस को राहत

कैबिनेट ने वर्ष 1988 बैच के 3 भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों संजय पिल्ले, आरके विज एवं मुकेश गुप्ता को बड़ी राहत दी है। तीनों के संबंध में पूर्व में जारी पदावनति आदेश दिनांक 26 सितंबर 2019 को निरस्त किया गया है। वहीं, 24 सितंबर 2019 को लिए गए संबंधित निर्णय को रिवर्ट करते हुए उस निर्णय के पालन में जारी समस्त आदेशों को बैठक से पूर्व की स्थिति में पुनर्जीवित मान्य किया है।

बता दें कि तीनों आईपीएस को 30 साल की सेवा पूरी करने पर डीजी बनाया गया था। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने निर्णय को बदल दिया था। इसके खिलाफ कैट व सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

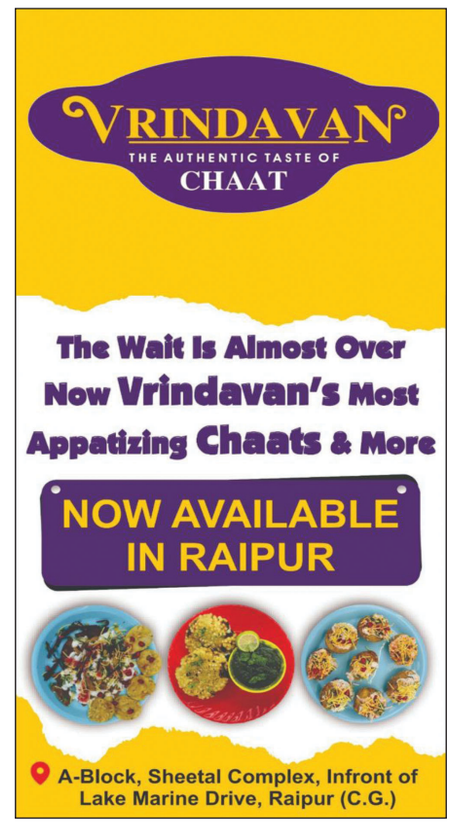

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684